दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 136/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 10 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड 2,00,000 के पार

सराफा बाजार में आज यानी 10 दिसंबर 2025 को चांदी की चमक ने निवेशकों और खरीदारों दोनों को हैरान कर दिया है। कीमती धातुओं के बाजार में आज

एक ऐतिहासिक तेजी देखने को मिली है। चांदी की कीमतों में एक ही दिन में भारी उछाल आया है, जिससे इसके भाव अब तक के उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, आज एक ही दिन में चांदी की कीमत में 9,000 रुपये की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

आपका पैसा, आपका अधिकार योजना से 2000 करोड़ लौटे: मोदी

नागरिकों से की दावा करने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार की आपका पैसा, आपका अधिकार पहल के तहत देशभर के नागरिकों के भूले-भटके वित्तीय दावों की वापसी तेजी से जारी है। उन्होंने बताया कि अक्तूबर 2025 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक करीब 2,000 करोड़ रुपये सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि हर नागरिक अपने भूले हुए वित्तीय साधनों को आसानी से वापस पा सके। उन्होंने कहा कि यह एक मौका है अपने भूले हुए पैसे को नए अवसर में बदलने का। इसके साथ ही पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वे आपका पैसा, आपका अधिकार अभियान में जरूर भाग लें।

पीएम ने इस बात पर जोर डाला कि देश के विभिन्न वित्तीय संस्थानों में सार्वजनिक धन की एक बड़ी राशि बिना दावे के पड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि भारतीय बैंकों के पास 78,000 करोड़ रुपये की लावारिस राशि पड़ी है, जबकि बीमा कंपनियों के पास लगभग 14,000 करोड़ रुपये की लावारिस राशि है। इसके अतिरिक्त, म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास लगभग 3,000 करोड़ रुपये और 9,000 करोड़ रुपये के लाभांश भी लावारिस पड़े हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन आंकड़ों ने बहुत से लोगों को चौंका दिया है। आखिरकार, ये परिसंपत्तियां अनगिनत परिवारों की कड़ी मेहनत से अर्जित बचत और निवेश का प्रतिनिधित्व करती हैं।

धन वापसी प्रक्रिया के लिए बनाए गए ये पोर्टल

धन वापसी की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए, सरकार और नियामक निकायों ने नागरिकों को अपने धन को ट्रैक करने और उस पर दावा करने में मदद करने के लिए समर्पित पोर्टल बनाए हैं। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डीजीएएम पोर्टल (दावा न किए गए बैंक जमा और शेष राशि के लिए), भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण का बीमा भरोसा पोर्टल (दावा न किए गए बीमा पॉलिसी की राशि के लिए), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड का मित्रा पोर्टल (म्यूचुअल फंड में दावा न की गई राशि के लिए) और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय का आईईपीएफए पोर्टल (अदा न किए गए लाभांश और दावा न किए गए शेयरों के लिए) शामिल हैं। मोदी ने बताया कि देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के 477 जिलों में सुविधा शिविरों का आयोजन किया गया है, जिसमें दूरदराज के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि अधिकतम कवरेज और पहुंच सुनिश्चित की जा सके। सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से लगभग 2,000 करोड़ रुपये पहले ही नागरिकों को वापस लौटाये जा चुके हैं।

असम आंदोलन का भारत के इतिहास में खास स्थान

पीएम ने स्वाहिद दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को स्वाहिद दिवस के मौके पर असम आंदोलन में भाग लेने वाले सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने इस आंदोलन को भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान वाला बताया और केंद्र सरकार की असम के सांस्कृतिक और विकासात्मक सपनों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि आज स्वाहिद दिवस पर हम असम आंदोलन में भाग लेने वाले सभी वीरों के साहस और त्याग को याद करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह आंदोलन हमेशा हमारे इतिहास में प्रमुख स्थान रखेगा। हम यह दोहराते हैं कि उन लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिन्होंने असम आंदोलन में हिस्सा लिया, खासकर असम की संस्कृति को मजबूत करने और राज्य के विकास के लिए।

सर्बानंद सोनोवाल ने भी शहीदों को दी श्रद्धांजलि

स्वाहिद दिवस के मौके पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने असम आंदोलन को भव्य संघर्ष बताया। साथ ही कहा कि इसका उद्देश्य राज्य की भाषा, संस्कृति, जनसांख्यिकी और अस्तित्व की रक्षा करना था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ऐतिहासिक असम आंदोलन एक भव्य संघर्ष था, जिसने असम की पहचान और संस्कृति की रक्षा की। इस आंदोलन ने बड़े असमी समाज को राष्ट्रीय हित में एकजुट होने की प्रेरणा दी। इस आंदोलन के दौरान 860 वीर असमी शहीद हुए और अनगिनत अन्य लोगों को उत्पीड़न और स्थायी चोटें झेलनी पड़ीं। सोनोवाल ने कहा कि स्वाहिद दिवस पर हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने जो आंदोलन किया वह राष्ट्रीय चेतना, बलिदान और साहस का प्रतीक है और यह हर असमी को प्रेरित करता रहेगा कि वे एकजुट होकर अपने समाज और देश के कल्याण में योगदान दें।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दीपावली शामिल

नई दिल्ली। अंधकार पर प्रकाश की विजय के पर्व दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया। यह निर्णय यूनेस्को की एक अहम बैठक के दौरान लिया गया। बैठक दिल्ली के लाल किले में आयोजित की गई थी। इस फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है और देश-विदेश में हर देशवासी इस फैसले से उत्साहित है।

यह पहली बार है जब भारत इसकी अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। यह समिति अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा के लिए कार्य करती है। इस समिति का 20वां सत्र आठ दिसंबर से 13 दिसंबर तक लाल किले में चल रहा है। जब यूनेस्को ने घोषणा की कि दीपावली को यूनेस्को के त्योहारों की सूची में शामिल कर दिया गया है, तब वहां मौजूद लोग वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाने लगे।

दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है: मोदी

यूनेस्को के निर्णय पर पीएम मोदी ने कहा, भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धार्मिकता का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।

सांसदों से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने किया ये आग्रह

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बुधवार को सदन के सांसदों से कहा कि वे अपने सवाल छोटे और सीधे बिंदु पर रखें, ताकि ज्यादा सवालों का उत्तर दिया जा सके। ये बात उन्होंने तह कही, जब भाजपा सांसद

देवुसिंह चौहान सरकार की सफाई और ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता पर बात कर रहे थे। इस दौरान बिरला ने उन्हें सिर्फ मुख्य बात बताने के लिए बीच में ही रोका।

महाराष्ट्र के विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर किया प्रदर्शन- महाराष्ट्र के विपक्षी सांसदों, जिनमें हृष्टक्क स्ष्टक्क की सुप्रिया सुले भी शामिल हैं, ने संसद में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (हृस्ब्ह्र) का नाम बदलकर इसे किसान और मजदूर पार्टी के नेता डीबी पाटिल के नाम पर रखने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने कहा कि यह कदम डीबी पाटिल की योगदान और यादगार को सम्मानित करने के लिए जरूरी है।

संसद के बाहर टीएमसी सांसदों का प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल को केंद्र से मिलने वाले फंड में देरी या कटौती के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों ने कहा कि राज्य को समय पर वित्तीय सहायता मिलना जरूरी है और केंद्र की इस लापरवाही से विकास योजनाओं पर असर पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र से फंड तुरंत जारी करने की मांग की।

संसद सत्र के बीच जर्मनी जा रहे राहुल गांधी, भाजपा ने कसा तंज

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की संसद सत्र के बीच संभावित जर्मनी यात्रा ने राजनीतिक हलकों में हंगामा मचा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें विदेश नायक और पर्यटन नेता करार दिया है। वहीं अभिनेत्री व भाजपा सांसद कंगना रनौत ने राहुल पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उस इंसान में कोई दम नहीं है। यह विवाद तब भड़का जब इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) ने घोषणा की है कि राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी जाएंगे। बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू हुआ था और 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर राहुल गांधी के बर्लिन दौरे की जानकारी दी। आईओसी जर्मनी के अध्यक्ष बलविंदर सिंह ने बताया कि राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में यूरोपीय देशों के आईओसी नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस कार्यक्रम में एनआरआई मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की वैचारिक पहुंच बढ़ाने पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में सैम पित्रोड़ा और डॉ. अरती कृष्णा जैसे वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। राहुल गांधी की विदेश यात्राओं का इतिहास रहा है, जहां वे अक्सर भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने और भाजपा-आरएसएस द्वारा संस्थाओं पर कब्जा जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं।

भाजपा का तंज- विदेश नायक और भारत बदनामी टूर

भाजपा ने राहुल गांधी की यात्रा को संसदीय जिम्मेदारियों से बचने का बहाना बताते हुए जोरदार हमला बोला। पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर पोस्ट कर कहा- एक बार फिर विदेश नायक वही कर रहे हैं जो वह सबसे अच्छा करते हैं! विदेश दौरे पर जा रहे हैं!

विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की एवं मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण से लोक कल्याण नवम्बर-2025 के न्यूज-लेटर और लोकपथ इनफार्मेशन ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अनुराग जैन एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन अकादमी में मानव अधिकार दिवस पर कार्यक्रम

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने किया शुभारंभ, स्मारिका का विमोचन

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर आज महिला सशक्तिकरण एवं मानव अधिकार विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में की।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया भी मौजूद है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता यूएन वूमेन मध्यप्रदेश की स्टेट हेड जोयत्री रे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता म.प्र. मानव अधिकार आयोग के सदस्य डॉ. अवधेश प्रताप सिंह कर रहे है।

कार्यक्रम में महिला कल्याण से संबंधित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर आयोग द्वारा विषय आधारित एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया गया है, जिसमें प्रबुद्धजनों के आलेख तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला-सम्बंधित योजनाओं की जानकारी प्रकाशित की गई है। इस स्मारिका का विमोचन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों के रूप में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, आयोग के पूर्व पदाधिकारी एवं अधिकारी, वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी, विधि संकाय के प्राध्यापक और विद्यार्थी मौजूद हैं।

समाज के हर वर्ग, हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा सभी की साझा जिम्मेदारी: यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'विश्व मानवाधिकार दिवस' के अवसर पर समाज में मानवता, समानता और न्याय के लिए सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग और हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस अवसर पर हमें सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करते हुए एक-दूसरे के सम्मान, शांति और अधिकारों को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेना चाहिए।

सागर के पास पुलिस वैन-कंटेनर की भिड़ंत, 4 पुलिसकर्मियों की मौत

सागर। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर बांदरी के पास बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कंटेनर और पुलिस के वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में पुलिस वाहन में सवार 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। वहीं, टीम में शामिल डॉग सुरक्षित है।

जानकारी के अनुसार मुरैना जिले का बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड बालाघाट में ड्यूटी पर तैनात था। पुलिसकर्मी नक्सल विरोधी अभियान में शामिल हुए थे। वहां से वे बीडीडीएस वाहन (क्रमांक एमपी 03 ए 4883) में सवार होकर वापस मुरैना लौट रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे पर बांदरी के पास झिंझनी घाटी पर सामने से आ रहे कंटेनर से पुलिस वाहन की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डॉग मास्टर समेत चार जवानों की जान चली गई।

जेसीबी से बॉडी काटकर निकाले शव- कंटेनर और पुलिस वाहन की टक्कर इतनी भीषण थी कि ड्राइवर और जवान गाड़ी के अंदर ही फंस गए। पुलिस वाहन आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जेसीबी की मदद से वाहन काटकर शवों को बाहर निकाला गया। इसके बाद शवों का पंचनामा बनाकर बांदरी अस्पताल भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने व्यक्त किया शोक

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सागर जिले में सड़क दुर्घटना में 4 पुलिसकर्मियों के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि आज सुबह नक्सल विरोधी अभियान से ड्यूटी कर लौट रहे पुलिस दल की भीषण सड़क दुर्घटना में 4 पुलिसकर्मियों के निधन का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति प्रार्थना की है और हादसे में घायल पुलिकर्मियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

पूर्वी दिल्ली के एक स्कूल में बम की धमकी, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर स्थित एक निजी स्कूल में बुधवार सुबह बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के एक अधिकारी के अनुसार, धमकी भरा कॉल सुबह करीब 10¬40 बजे आया, जिसमें दावा किया गया कि लवली पब्लिक स्कूल के अंदर विस्फोटक रखा गया है।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। मौके पर तुरंत कई फायर टेंडर, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और पुलिस टीमें भेजी गईं।सावधानी के तौर पर छात्रों, शिक्षकों और पूरे स्टाफ को स्कूल भवन से बाहर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। साथ ही स्कूल परिसर को पूरी तरह घेरकर जांच शुरू कर दी गई। अधिकारी ने बताया कि अब तक किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की सूचना नहीं है।

हाईकोर्ट बोला-इंडिगो फेल हुई तो सरकार ने क्या किया: टिकटों की कीमत 4 हजार से बढ़कर 30 हजार कैसे पहुंची

नई दिल्ली। इंडिगो संकट को लेकर बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से सवाल पूछा कि टिकट की कीमतें 4-5 हजार रुपए से बढ़कर 30,000 रुपए तक कैसे पहुंच गईं और अन्य एयरलाइंस ने इसका फायदा कैसे उठाया।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की डिविजन बेंच जनहित याचिका की सुनवाई कर रहा था। याचिका में मांग की गई थी कि इंडिगो संकट की स्वतंत्र न्यायिक जांच की जाए और जिन लोगो की फ्लाइट रद्द हुई या जो एयरपोर्ट पर फंसे उन्हें मुआवजा दिया जाए।

इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ व्यक्तिगत यात्रियों का मामला नहीं है, बल्कि इससे आर्थिक नुकसान भी हुआ है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न पैदा हो। इधर, नागरिक उड्डयन नियामक ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को समन भेजा है।

इंडिगो ने 403 विमान बताकर 6 प्रतिशत ज्यादा उड़ानें लीं

डीजीसीए ने बताया कि इंडिगो की ऑपरेटिंग क्षमता और उसके वास्तविक विमान इस्तेमाल में बड़ा अंतर है। यानी कंपनी जितने विमान उड़ाने की क्षमता दिखा रही है, उतने विमान वह उड़ा नहीं पा रही है। डीजीसीए के मुताबिक इंडिगो ने 403 विमान बताकर 6 प्रतिशत ज्यादा विंटर शेड्यूल ले लिया, लेकिन अक्टूबर में उसके 339 और नवंबर में 344 विमान ही उड़ान भर सके। नवंबर में शेड्यूल 64,346 में से 59,438 विमान ही उड़ान भर पाए, यानी 4,900 कम।

सरकार कंपनी के साथ ही डीजीसीए के कामकाज की भी जांच करेगी

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने एक इंटरव्यू में कहा कि इंडिगो की गड़बड़ी पर सिर्फ एयरलाइन ही नहीं, बल्कि डीजीसीए के कामकाज की भी जांच होगी। मंत्री ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी और कहा कि जिम्मेदार लोगों पर कड़ी और उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इंडिगो का यह बड़ा फेलियर सामान्य गलती नहीं लगता, बल्कि इसमें जानबूझकर हुई लापरवाही के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार यह जांच कर रही है कि आखिर ऐसा संकट उसी समय क्यों आया और ऑपरेशंस होने के बावजूद हालात कैसे बिगड़े। सीईओ को हटाने के सवाल पर नायडू ने कहा कि जरूरत पड़ी तो जरूर हटाया जाएगा। जो भी कानूनी कार्रवाई बनती है, वह जरूर होगी। नायडू ने ये भी बताया कि मैं पिछले 7 दिनों से लगातार मीटिंग कर रहा हूं और मुश्किल से सो पाया हूं, क्योंकि फोकस सिर्फ यात्रियों की परेशानी दूर करने पर है।

भारत - सौंदर्य के प्रतिमान...

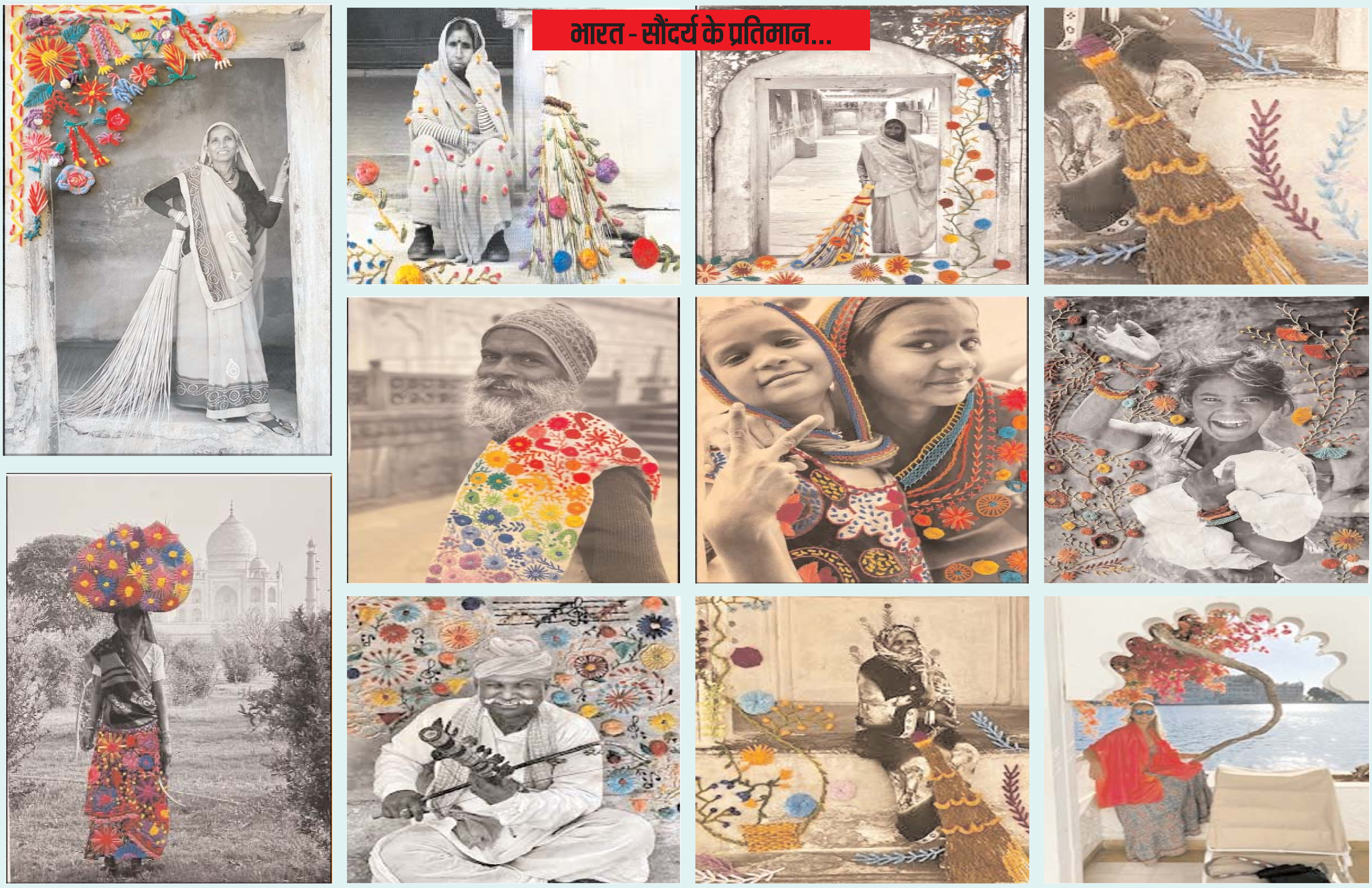

माइलेन रिज़ो (जन्म 1986) एक ब्राज़ीलियाई कलाकार, इतिहासकार और फोटोग्राफर हैं, जिनकी भारत पर आधारित प्रशंसित श्रृंखला 'इंडिया - पैराडिग्मास दा बेलेज़ा' (भारत - सौंदर्य के प्रतिमान) शीर्षक से है। मार्च 2020 में जयपुर, जोधपुर और आगरा शहरों में ली गई तस्वीरों से तैयार किया गया यह संग्रह, भारत में जीवन की चुनौतियों के बीच सौंदर्य की अवधारणा को दर्शाता है। रिज़ो की विशिष्ट शैली में चमकीले, बहुरंगी धागों को सीधे काले और सफेद तस्वीरों पर हाथ से सिलना शामिल है। यह तकनीक एक स्पर्शनीय और अंतरंग आयाम जोड़ती है, जिसमें फूलों, अमूर्त पैटर्न और अन्य रूपांकनों का उपयोग करके उन लोगों और स्थानों की छवियों पर नई कहानियाँ गढ़ी जाती हैं जिनसे वह मिलीं। कलाकार बताती हैं कि कैसे कढ़ाई का हस्तशिल्प, जो उन्होंने बचपन में सीखा था, यात्रा और इतिहास के प्रति उनके जुनून से जुड़ता है, जिससे उन्हें 'आंतरिक सार को पुन: प्रस्तुत करने' और अपने काम में एक अनूठी, अक्सर आध्यात्मिक, परत जोड़ने की अनुमति मिलती है।

मां कालका बिजासन मंदिर में मां काली को अर्पित किया 9 लाख की चांदी का त्रिशूल और खड़ग

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राजधानी के चुना भट्टी कोलार रोड स्थित मां कालका बिजासन दरबार में सागर के भक्तों द्वारा सोमवार को 9 लख रुपए की चांदी की त्रिशूल और खड़ा अर्पित किया गया। इस अवसर पर माता रानी के दरबार और मंदिर को फूलों और विद्युत की विशेष सजावट की गई और महा आरती की गई। श्रद्धालुओं ने महा आरती में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कालका बिजासन मंदिर चुना भट्टी कोलार रोड के संस्थापक शिव यादव ने बताया कि सागर के भरत सोनी और उनकी टीम के द्वारा मां कालका को करीब 9 लख रुपए का नया खड़क और त्रिशूल अर्पित किया गया। सोम प्रदोष के शुभ योग में साढे 5 किलो वजन के चांदी के खड़ग और त्रिशूल को मंत्र उच्चारण के बीच धारण कराया गया। ढोल नगाड़ों के साथ महा आरती की गई और जयकारों के साथ आतिशबाजी भी की गई। इस अवसर पर भोपाल नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मां कालका बिजासन समिति द्वारा इस अवसर पर 50 किलो खीर की प्रसादी वितरित की गई शिव यादव ने बताया कि नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने मां कालका बिजासन मंदिर पर स्वागत द्वार बनाने का आश्वासन दिया है।

रविदास मंदिर में हुआ रविदासिया समाज का महासम्मेलन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। रविदासिया समाज का भव्य महासम्मेलन रविदास मंदिर, नई जेल रोड, करोद सागर गैरे के पीछे आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरु सुखदेव महाराज के अमृतवचनों के साथ मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन में मंत्री श्री विश्वास सारंग तथा नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस आयोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था प्रदेश अध्यक्ष माधव सिंह अहिरवार एवं राधाकृष्णन बकोड़िया द्वारा अत्यंत सम्मानजनक और उत्कृष्ट रूप से की गई, जिसकी सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वहित जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों–संयोजक गोपी किशन राठौर, अध्यक्ष अनिल मंडराई, कोषाध्यक्ष दरवेश लोंगरे, उपाध्यक्ष गणेश निमोरे, मीडिया प्रभारी सोनू धनवारे प्रताप जाटव एवं अशोक अहिरवार गोदवाल–ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसी मंच से सर्वहित जनकल्याण संस्था द्वारा घोषित अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय एवं विवाह सम्मेलन 23 जनवरी 2026 को हिन्दी भवन, पॉलिटेक्निक चौराहा भोपाल में आयोजित होगा, जिसका प्रचार-प्रसार समिति द्वारा किया गया। सफल एवं सराहनीय आयोजन के लिए पूरी आयोजन समिति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

सोशल मीडिया से

कवितांश

रामधारी सिंह दिनकर

कवि रामधारी सिंह दिनकर ज्ञानपीठ पुरस्कार और साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित हैं। मुक्तक-काव्य: प्रणभंग, रेणुका, हुँकार, रसवंती, द्वंद्वगीत, सामधेनी, बापू, धूप-छाँह, इतिहास के आँसू, धूप और धुआँ, मिर्च का मज़ा, नीम के पत्ते, सूरज का ब्याह, नील-कुसुम,

दिल्ली

यह कैसी चाँदनी अमा के मलिन तमिस्र गगन में!
कूक रही क्यों नियति व्यंग्य से इस गोधूलि-लगन में?
मरघट में तू साज रही दिल्ली! कैसे श्रृंगार?
यह बहार का स्वांग अरी, इस उजड़े हुए चमन में!
इस उजाड़, निर्जन खँडहर में,
छिन्न-भिन्न उजड़े इस घर में,
तुझे रूप सजने की सूझी
मेरे सत्यनाश-प्रहर में!

डाल-डाल पर छेड़ रही कोयल मर्सिया तराना,
और तुझे सूझा इस दम ही उत्सव हाय, मनाना;
हम धोते हैं घाव इधर सतलज के शीतल जल से,
उधर तुझे भाता है इन पर नमक हाय, छिड़काना!
महल कहाँ? बस, हमें सहारा
केवल फूस-फाँस, तृणदल का;
अन्न नहीं, अवलंब प्राण को
ग़म, आँसू या गंगाजल का।

जहां बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहीं स्वास्थ्य, संस्कार और सद्भाव की वास्तविक योग ऊर्जा खिलती है : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। बुजुर्गों के सम्मान, स्नेह और आशीर्वाद के महत्व पर आधारित - प्रेरणादायक संदेश - इंडस गार्डन फेज-1, बाबड़िया कलां, भोपाल में योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में तीन वर्षों से चल रही योग साधना का यह दृश्य बताता है कि स्वास्थ्य, सम्मान और संस्कार - तीनों एक साथ पनपते हैं। 92 वर्षीय वरिष्ठ योग साधिका श्रीमती सुशीला दीक्षित को पुष्पमाला, शाल और श्रीफल से सम्मानित करना सिर्फ एक समारोह नहीं - हमारी भारतीय संस्कृति का जीवंत संदेश है कि बुजुर्ग केवल अनुभव का स्त्रोत नहीं, बल्कि घर-समाज की शुभ ऊर्जा हैं। उनके आशीर्वाद में वह शक्ति है जो जीवन-पथ को सहज बनाती है। योग साधकों के उजले और प्रसन्न चेहरे बताते हैं कि जहाँ बुजुर्गों का आदर होता है, वहाँ स्वास्थ्य, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा स्वतः प्रवाहित होती है।बुजुर्गों का सम्मान करना, उनकी देखभाल करना और उनसे सीखना - यही हमारी परंपरा का वास्तविक योग है। जिस समाज में बुजुर्गों का मान होता है, वही वास्तव में उन्नति और शांति की राह पर आगे बढ़ता है।

श्री सिद्ध विनायक गणेश मंदिर मुंबई

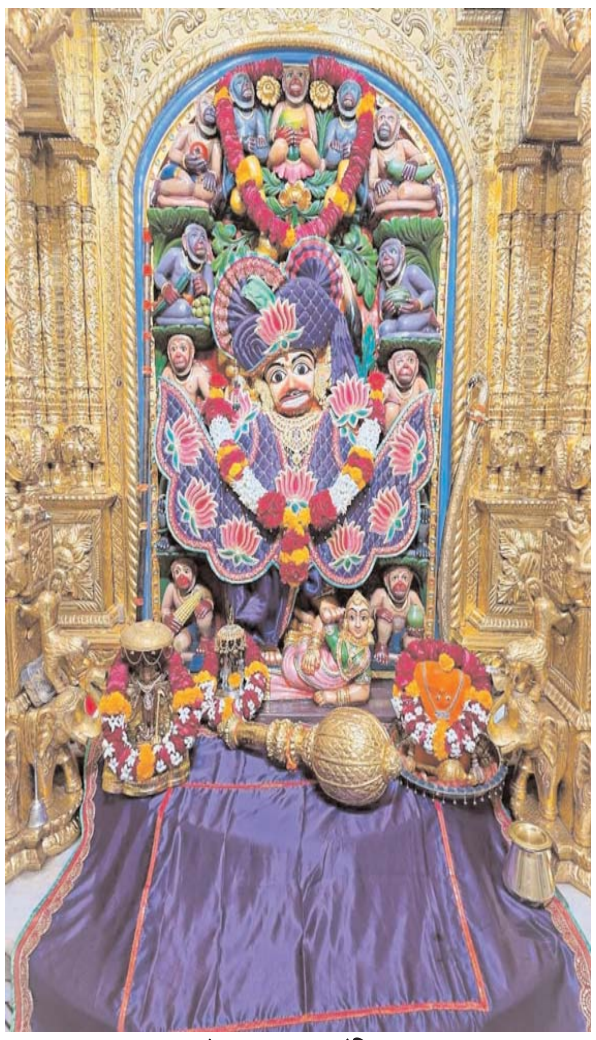

सारंगपुर हनुमान मंदिर गुजरात

जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव के पुत्र के आशीर्वाद समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

छिंदवाड़ा। जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव व श्रीमति विजया यादव के सुपुत्र चिज़ विशेष -पुत्रवधु सौ.का. रूकमणी के शुभविवाह के अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव आशीर्वाद समारोह में छिंदवाड़ा पहुंचे उन्होने वर-वधू को आर्शीवाद दिया। मुख्यमंत्री के साथ जिले प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल, सांसद लता वानखड़े, पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभानसिंह, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, पूर्व मंत्री नाना मोहोड़ सहित प्रदेश के अन्य जिलों के भाजपा नेता एवं स्थानीय लोगों ने आर्शीवाद समारोह में भाग लिया।

वरिष्ठ नागरिक सप्ताह की शुभकामनाएं

क्या कम करें?

1. नमक,
2. चीनी,
3. मैदा,
4. डेयरी उत्पाद,
5. प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ।

क्या खाएं?

1. सब्जियाँ,
2. अनाज,
3. दालें,
4. सूखे मेवे,
5. ठंडे तेल, (जैतून, नारियल)
6. फल।

इन तीन चीजों को भूलने की कोशिश करें

1. आपकी उम्र,
2. आपका अतीत,
3. आपकी शिकायतें।

इन बातों का ध्यान रखें:

1. आपका परिवार,
2. आपके दोस्त,
3. आपके सकारात्मक विचार,
4. स्वच्छ और खुश घर।

ये तीन चीज़ें अपनाएँ:

1. हमेशा मुस्कुराते रहें,
2. नियमित शारीरिक गतिविधि करें,
3. अपना वज़न नियंत्रित रखें।

छह जीवनशैली की आदतें जिनका पालन करना चाहिए

1. प्यास लगने का इंतज़ार न करें, नियमित रूप से पानी पिएँ।
2. सिर्फ़ थके होने पर आराम न करें, सही समय पर आराम करें।
3. सिर्फ़ बीमार होने पर डॉक्टर के पास न जाएँ, नियमित जाँच करवाएँ।
4. किसी चमत्कार का इंतज़ार न करें।
5. खुद पर विश्वास रखें।
6. हमेशा सकारात्मक रहें और उज्वल भविष्य के बारे में सोचें।

क्या आपके 55 से 90 साल के बीच के दोस्त हैं? तो उन्हें यह संदेश भेजें !

वरिष्ठ नागरिक सप्ताह की शुभकामनाएँ!

सभी को स्वस्थ और सुखी जीवन की शुभकामनाएँ!

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

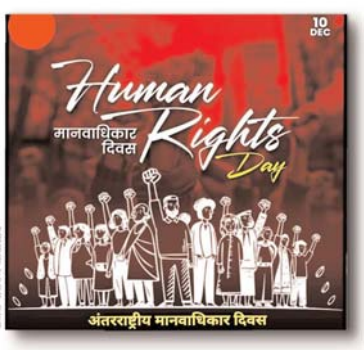

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस या विश्व में रहने वाले हर नागरिक के अधिकार दिवस को मनाया जाता है. दरअसल 1948 में आज ही के दिन संयुक्त राष्ट्र सामान्य महासभा द्वारा मानव अधिकारों को अपनाने की घोषणा की गई थी लेकिन आधिकारिक तौर पर 1950 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने 10 दिसंबर के दिन मानवाधिकार दिवस मनाने की घोषणा की थी. मानवाधिकार दिवस को मनाने का उद्देश्य है कि विश्व के सभी लोग सुरक्षित महसूस कर सकें और भेदभाव रहित स्वतंत्रतापूर्ण जीवन जी सके. मानवाधिकार में स्वास्थ्य, आर्थिक सामाजिक व शिक्षा का अधिकार भी शामिल है.

वहीं भारत में 28 सितंबर 1993 को मानवाधिकार कानून को अमल में लाया गया था और 12 अक्टूबर, 1993 को 'राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग' का गठन किया गया था. मानवाधिकार भारतीय संविधान के भाग-3 में मूलभूत अधिकारों के नाम से उल्लेखित हैं. इन अधिकारों का उल्लंघन करने वाले या हनन करने वाले को कानून में सजा का प्रावधान भी है. गौरतलब है कि मानवाधिकार दिवस हमारे समुदायों में मानव अधिकारों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने और महामारी के बाद फिर से निर्माण करने के लिए दुनिया भर में एकजुटता का एक बड़ा अवसर है. समानता ट्ठ यह एक ऐसी अवधारणा है जिसे परिभाषित करना कठिन है, फिर भी इसके मूल में, हम इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान रूप से सम्मान और अधिकारों में जन्म लेते हैं. सभी मनुष्य स्वतंत्र पैदा होते हैं और सम्मान और अधिकारों में समान होते हैं। विश्व भर में सभी लोगों के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान से संबंधित मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना। (साभार)।

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

अहिंसा के नाम पर अनदेखी हिंसा : समय की पुकार और आत्मचिंतन

(भाग द्वितीय)

अहिंसा का बोझ और व्यवस्था का बदलता स्वरूप : क्या हम समय के अनुसार ढल पाए हैं? आज समाज के सामने एक अत्यंत गम्भीर विषय बार-बार उभर कर आता है-साधु-साध्वियों के विहार, गोचरी और विसर्जन क्रियाओं से जुड़ी व्यवस्थाएँ। शास्त्रों के अनुसार साधु-वृंद समाज पर भार न बनें और उन्हें जो सहज उपलब्ध हो, उसी में संतोष करें। किंतु वर्तमान परिस्थितियों में यह सरल आदर्श अत्यंत जटिल बन गया है। साधु-साध्वियों की दैनिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए श्रावक समाज को एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना पड़ता है। विहार के मार्ग सुनिश्चित करना, गोचरी की व्यवस्था करना, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ठहराव के स्थान ढूँढना-इन सबमें जाने अनजाने में हुई हिंसा, असुविधा, कानूनी बाधाएँ और कई बार समाजकोअपमानजनक स्थितियों का सामना भी करना पड़ता है।

विशेषतः विसर्जन क्रिया के संदर्भ में परिस्थिति अत्यन्त चिंताजनक हो चुकी है। कुछ संप्रदायों के संत सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग नहीं करते हैं , जिसके कारण नगरों, कस्बों और गाँवों में उनके लिए अलग से विशेष विसर्जन स्थान बनवाने की जिम्मेदारी श्रावकों पर आ जाती है। इन स्थलों पर दुर्गंध रोकने हेतु रसायन छिड़कना पड़ता है, जो स्पष्ट रूप से संकल्पपूर्वक की गई हिंसा की श्रेणी में आता है। क्या यह महापाप नहीं हैं ? क्या यह अहिंसा के मूल उद्देश्यों के विपरीत नहीं हैं ? समाज विवश होकर इन व्यवस्थाओं को पूरा करता है, परंतु इसके कारण बार-बार उसे अपनों और परायों दोनों से उलाहने सहने पड़ते हैं। कई बार समाज को नीचा भी देखना पड़ता हैं।

इसी प्रकार टेंट, पांडाल, मंच, मेला-सामग्री उठवाने के कार्य मजदूरों से करवाने पड़ते हैं, जो वर्तमान कानूनों में दंडनीय अपराध की श्रेणी में आते हैं। यदि साधुओं के लिए बनाए गए नियम आधुनिक कानूनों से टकराने लगें, तो यह स्थिति और अधिक उलझन पैदा करती है। ऐसे में यह निर्णय करना कठिन हो जाता है कि यह महापुण्य है या महापाप।

आज से सौ वर्ष पहले इन समस्याओं का अस्तित्व ही नहीं था। गाँवों में खुले क्षेत्र सहज उपलब्ध थे,न विहार में बाधा, न विसर्जन क्रिया के लिए विशेष व्यवस्था की आवश्यकता, श्रावक समाज भी उन्हीं का उपयोग करता था। वर्तमान में साधु-संतों के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ती है, जो कानूनी अपराध हैं।गोचरी भी सरलता से सम्पन्न हो जाती थी। किंतु आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। घनी आबादी, बदलते कानून, नगरों की सीमाएँ, स्वच्छता के नए मानक-इन सबके बीच पुराने नियम कई बार व्यवहार से मेल नहीं खाते। ऐसा लगता है कि हम अपने आप को धोखा दे रहे है अथवा मिथ्या करते हैं। इसलिए प्रश्न परंपरा को समाप्त करने का नहीं है, बल्कि यह है कि परंपरा के मूल में छिपे अहिंसा के सार को कैसे सुरक्षित रखा जाए। यदि अहिंसा निभाने के लिए हिंसा करनी पड़े, व्यवस्था बनाए रखने के लिए समाज को संघर्ष में उलझना पड़े, और समाचारी का बोझ व्यवहार व मर्यादा से अधिक भारी पड़ने लगे-तो समय आ चुका है कि संत-वृंद और श्रावक समाज मिलकर बैठें और एक नई, समय-संगत समाचारी का निर्माण करें। ऐसी समाचारी जो 21वीं सदी की परिस्थितियों में भी सहज रूप से पूर्ण हो सके और जैन दर्शन की गरिमा को अक्षुण्ण रख सके।

(क्रमशः भाग तृतीय अगले अंक में)

सुगाल चंद जैन, चेन्नई

भोपाल, सांध्यप्रकाश। महापौर मालती राय ने वार्ड 50 अर्बन प्रधान एनक्लेव दाना पानी के पास में लगभग 03 लाख की लागत से नवीन विकास कार्य का भूमिपूजन किया इस अवसर पर एम आई सी सदस्य सुषमा बाविसा, प्रदेश प्रवक्ता भाजपा राजपाल , मंडल अध्यक्ष पीयूष सिसोदिया, पदाधिकारी गण एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

मुरैना वृत्त में समाधान योजना में अब तक 7795 बकायादार उपभोक्ताओं ने कराया पंजीयन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। विगत 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 का लाभ हजारों बकायादार उपभोक्ता उठा रहे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुरैना वृत्त में अब तक कुल 7,795 उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराया है। कंपनी के खाते में 33 करोड़ 30 लाख रूपए मूल राशि जमा हुई है तथा 28 करोड़ 01 लाख रूपए सरचार्ज माफ किया गया है। इस तरह से अभी तक मुरैना वृत्त समाधान योजना में कंपनी कार्यक्षेत्र सहित मध्यप्रदेश में भी सर्वाधिक राशि जमा करवाने में अव्वल रहा है। मुरैना वृत्त के महाप्रबंधक श्री सुरेश कुमार ने बताया कि हाल ही में समाधान योजना का लाभ उठाते हुए गैर घरेलू उपभोक्ता श्रीमती सवीना बेगम पर कुल बकाया राशि 10,57,401 रुपए थी। जिसमें से 5,12,379 रूपये की सरचार्ज में छूट मिली। उन्हें केवल 5,45,022 रुपए जमा करने पड़े और उनका बिल निराकृत हो गया। इसी तरह घरेलू उपभोक्ता श्री बलराम शर्मा पर कुल बकाया राशि 9,80,077 रुपए में से 7,52,284 रूपये की सरचार्ज में छूट मिली। उन्हें केवल 2,27,793 रुपए जमा करने पड़े। कृषि पंप उपभोक्ता श्री जय सिंह पर कुल बकाया राशि 1,14,655 रुपए थी जिसमें से उन्हें 55,590 रूपये की सरचार्ज में छूट मिली और उन्हें केवल 59,065 रुपए ही जमा करने पड़े। मुरैना वृत्त के महाप्रबंधक श्री सुरेश कुमार ने अन्य सभी बकायादार उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए अपने बकाया बिल को जमा करायें, साथ ही उन्होंने अपने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तीन माह से अधिक के बकायदार उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025- 26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त बकाया जमा राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं।

धर्मेन्द्रसिंह राजपूत अभाविप मध्यभारत प्रांत के अध्यक्ष एवं केतन चतुर्वेदी पुनः मंत्री निर्वाचित

भोपाल, सांध्यप्रकाश। धर्मेन्द्रसिंह राजपूत भोपाल देश के अग्रणी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के मध्यभारत प्रांत के प्रांत अध्यक्ष और श्री केतन चतुर्वेदी (बैतूल) प्रांत मंत्री के रूप में सत्र 2025-26 हेतु पुनः निर्वाचित हुए हैं। यह घोषणा आज अभाविप मध्यभारत प्रांत कार्यालय, भोपाल से की गई। अभाविप के प्रांत कार्यालय से आज निर्वाचन अधिकारी डॉ. दीपक पालीवाल द्वारा जारी वक्तव्य के अनुसार उपरोक्त दोनों पदों का कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा एवं दोनों पदाधिकारी दिनांक 14 से 16 दिसम्बर 2025 को डबरा में आयोजित अभाविप के 58वे प्रांत अधिवेशन में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। धर्मेन्द्रसिंह राजपूत युनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (आर.जी.पी.वी.) भोपाल में मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्राध्यापक पद पर कार्यरत हैं। आपके विभिन्न शोध पत्र प्रकाशित हुये हैं एवं सन् 2009 से आप विद्यार्थी परिषद में सक्रिय कार्यकर्ता है, विद्यार्थी परिषद में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुये उज्जैन नगर उपाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, जिला प्रमुख, विभाग प्रमुख, प्रांत उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, मध्यभारत प्रांत उपाध्यक्ष जैसे विभिन्न दायित्वों का आपने निर्वहन किया है। सत्र 2022-23 में आप प्रथम बार प्रांत अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे, सत्र 2023- 24, और 2024-25 में भी आपने प्रांत अध्यक्ष का दायित्व संभाला। इस वर्ष नवीन सत्र 2025-26 हेतु भी आप प्रांत अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए है। केतन चतुर्वेदी, आपकी शिक्षा ग्वालियर के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय से बी कॉम तक हुई है। विद्यार्थी परिषद से आपका संपर्क वर्ष 2016 से है एवं वर्ष 2021 से आप पूर्णकालिक कार्यकर्ता हैं। पूर्व में आपने ग्वालियर महानगर में भाग मंत्री, जीवाजी विश्वविद्यालय संयोजक, ग्वालियर महानगर सहमंत्री, भोपाल महानगर सहमंत्री एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ता के नाते नर्मदापुरम जिला संगठन मंत्री, भोपाल महानगर सह संगठन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन किया हैं। आप वर्ष 2023-24 में अभाविप के मध्यभारत प्रांत के सहमंत्री भी रहे हैं। वर्तमान में आप नर्मदापुरम विभाग के विभाग संगठन मंत्री है। आपका केन्द्र बैतूल हैं। विभिन्न छात्र आंदोलन का आपने प्रभावी नेतृत्व किया है। आप सत्र 2024-25 में प्रथम बार प्रांत मंत्री निर्वाचित हुए। इस वर्ष सत्र 2025-26 हेतु आप पुनः अभाविप मध्यभारत के प्रांत मंत्री निर्वाचित हुए हैं।

प्रदेश के इन दो शहरों के बीच बनेगी फोरलेन रोड, 2096 करोड़ की आएगी लागत, मिली मंजूरी

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए एक अच्छी खबर है। राज्य सरकार ने सागर और दमोह के बीच यात्रा को सुगम बनाने के लिए एक अहम फैसला लिया है। अब इन दो प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली सड़क को फोरलेन में तब्दील किया जाएगा। लंबे समय से इस मार्ग पर यातायात के दबाव और संकरी सड़क के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। राज्य मंत्रि-परिषद ने इस समस्या का समाधान करते हुए सागर से दमोह मार्ग के निर्माण को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

सफर होगा आसान

इस परियोजना के तहत सागर और दमोह के बीच कुल 76 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। वर्तमान में यह सड़क टू-लेन और कई जगहों पर काफी संकरी है, जिससे आए दिन जाम और हादसों का खतरा बना रहता था। फोरलेन बनने के बाद न केवल सफर सुरक्षित होगा, बल्कि यात्रा में लगने वाले समय में भी काफी कमी आएगी।

2059 करोड़ रुपये मंजूर

इस फोरलेन परियोजना के लिए सरकार ने बड़ा बजट आवंटित किया है। जानकारी के मुताबिक, इस सड़क के निर्माण पर कुल 2059 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस राशि से सड़क को चौड़ा और सपाट बनाया जाएगा, जिससे कार और भारी वाहनों की आवाजाही बिना किसी बाधा के हो सकेगी।

विकास को मिलेगी रफ्तार

सागर और दमोह दोनों ही मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण जिले हैं। बेहतर कनेक्टिविटी होने से इन क्षेत्रों में व्यापार और उद्योग को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सड़क निर्माण की मंजूरी मिलने के बाद अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया और निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। स्थानीय निवासियों के लिए यह परियोजना एक बड़ी राहत साबित होगी, जो लंबे समय से इस मार्ग के चौड़ीकरण की मांग कर रहे थे।

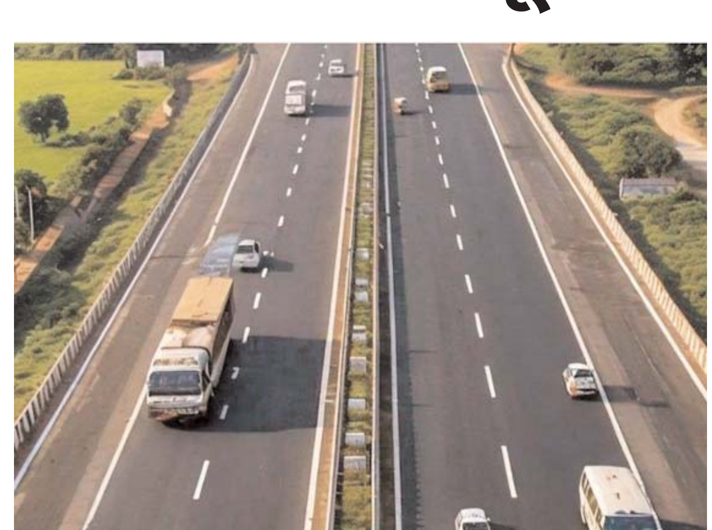

जब तक दूसरे हमें खुश-नाखुश कर सकें, हम गुलाम हैं

जीवन कितना विचित्र है कि हमारे जीवन का नियंत्रण अन्य लोगों के हाथों में रहता है।

वे चाहें तो हमें खुश रखें, वे चाहें तो हमें रूष्ट कर दें, अप्रसन्न कर दें।

कैसा विचित्र है यह जीवन ?

कभी सोचा है?

हम क्या कोई कठपुतली हैं?

हां हम कठपुतली हैं।

कृष्ण कहते हैं -

भ्रामयन सर्व भूतनाम यंत्र आरूढानि मायया।

यंत्रवत जीना ही कठपुतली जैसा जीवन है। यंत्रवत का अर्थ है कि संसार हमारा मालिक है। हम नहीं।

कोई आकर प्रसंशा कर दे। दो मीठे बोल बोल दे। हम आह्लादित हो जाते हैं। कोई आकर कटु वचन बोल दे, हमारा रक्त उबलने लगता है।

इसका तो यही न अर्थ हुआ कि हमने स्वयं के अपमानित और प्रशंसित होने की बागडोर अन्य लोगों के हाथ में छोड़ रखी है। दूसरे लोग हमारे मालिक हैं। और हम हैं उनकी कठपुतलियां द्यआज अपने अंदर झांकिए और देखिए कि इस समस्या से हम ग्रस्त हैं या नहीं?

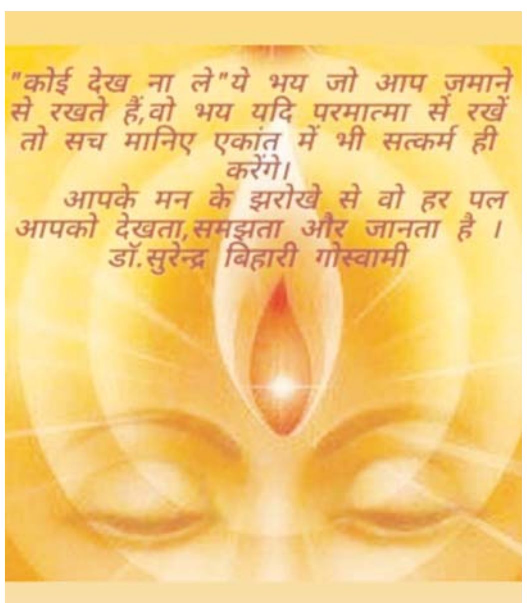

संपादकीय

पुलों की गुणवत्ता...

हाल ही में मध्यप्रदेश के बरेली-पिपरिया रोड पर भारी यातायात के कारण एक पुल गिर गया था, उसकी हालत पहले से ही खराब थी। हादसे में एक राहगीर की मौत हो गई। यह इकलौता पुल नहीं था, जो खराब श्रेणी का था या है। हाल में पता चला है कि प्रदेश में 305 पुल खराब श्रेणी और बहुत खराब श्रेणी वाले हैं। सभी पर भारी यातायात चालू है। इन 305 में से 253 पुल मप्र राज्य सड़क विकास निगम यानि एमपीआरडीसी के और 50 लोक निर्माण विभाग के हैं। एमपीआरडीसी के 253 में से 45 पुल बहुत खराब श्रेणी के हैं और बाकी सभी खराब श्रेणी के हैं। इनकी उम्र 45 से 50 साल हो चुकी है।

मप्र में कुल 45 ब्रिज बहुत खराब श्रेणी के हैं। इनमें 24 बड़े पुल हैं। यानि ये प्रमुख मार्गों पर हैं, जहां भारी यातायात है। मकसूदनगढ़- बैरसिया, राहतगढ़-बेगमगंज-गैरतगंज, बरेली-पिपरिया, नसरुल्लागंज-खातेगांव , हरई-जुन्नारदेव के दो ब्रिज, बंदोल जंक्शन-सिखेड़ा नाम से दो ब्रिज, छत्तीसगढ़ बॉर्डर से लगे बैहर ब्रिज, रतलाम-थांडला, लुन्हेरा-मनावर, बदनावर-पेटलावद नाम से दो ब्रिज, थांदलाङ्कलिमड़ी नाम से दो ब्रिज, अलीराजपुर-कुक्षी-बड़ वानी मार्ग पर चार पुल, टटेरा सबलगढ़ विजयपुर मोहना, मुंगावली-कंजिया, मुंडी-खंडवा मार्ग पर तीन ब्रिज, खंडवा-डीतलाई मार्ग पर दो ब्रिज, करेली-गाडरवारा-पिपरि या, पिपरिया -होशंगाबाद मार्ग पर पांच ब्रिज, आशापुर -हरदा मार्ग पर दो ब्रिज,

दरगांव-हटा, सेमरिया-हटा, खिमलासा-खुरई-राहतगढ़ मार्ग पर दो पुल, मैहर-बरही, मोरवा-झालावाड़ मार्ग पर दो ब्रिज, तराना-देवास मार्ग पर दो ब्रिज, शाजापुर-सोनकच्छ और आगर-सारंगपुर बहुत खराब श्रेणी में शामिल हो गए हैं। भितरवार क्षेत्र के डबरा शहर में पुल की हालत खराब होने पर इसका ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है।

लोक निर्माण विभाग की टीम ने पूरे मप्र में 50 खराब कंडीशन वाले पुल चिह्नित किए हैं। इनमें से 10 ऐसे थे, जिन पर बार-बार ट्रैफिक रोकना पड़ रहा है। अब इन 50 में से 45 के लिए टेंडर हो चुके हैं और मेंटनेंस चल रहा है। वहीं 5 के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। अफसरों ने बताया कि इन पर काम शुरू हो चुका है। वेरी पुअर वाले 45 में से 30 का मेंटनेंस हो चुका है। 15 पर काम जारी है। पुअर कैटेगरी वाले सभी ब्रिज पर काम चल रहा है। इनकी सात दिन में समीक्षा के लिए एमपीआरडीसी एमडी ने निर्देश दिए थे। मंगलवार को एमपीआरडीसी के तकनीकी सलाहकार आरके मेहरा ने समीक्षा की है। दो दिन बाद एमडी खुद समीक्षा करेंगे।

लेकिन सवाल यहां यह उठता है कि आखिर इतनी खराब श्रेणी में ये पुल पहंचे कैसे? लगातार सुधार या मरम्मत के नाम पर जिस तरह से पैसा खर्च किया जाता रहा होगा, उस हिसाब से तो एक की जगह दो नये पुल बन जाते। अधिकारियों की लापरवाही और विभाग की उदासीनता के साथ ही कहीं न कहीं भ्रष्टाचार भी इसमें बड़ा कारण है। पुलों का निर्माण जिस गुणवत्ता का होना चाहिए, प्रायः होता नहीं है। ठेकेदारों को रिश्वत के आधार पर फ्री हैंड देना उचित नहीं। अधिकारी अपना कमीशन लेकर पुलों की गुणवत्ता को पास कर देते हैं।

जिस प्रदेश की राजधानी में ही एक भी पुल तकनीकी और गुणवत्ता के आधार पर खरे नहीं उतरे हों, उस राज्य के दूरदराज इलाकों में सड़कों और पुलों का हाल क्या होगा? लेकिन भ्रष्टाचार के चलते लोगों की जान लेना किसी भी हाल में ठीक नहीं। कहीं न कहीं तो इस पर रोक लगना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी समीक्षा करने और जांच की बात करके अपना पल्लू झाड़ लेते हैं, फिर नई फाइल चलने लगती है भ्रष्टाचार की।

स्वराज से सुराज तक लेकिन कैसे!

जयराम शुक्ल

स्वतंत्रता के बाद भारतमाता की पुनर्प्राणप्रतिष्ठा का सपना पाले गांधी जी इहलोक से प्रस्थान कर गए। अन्ना समेत सभी समाजसेवी कहते हैं कि आज गांव संकट में हैं, इस देश को बचाना है तो गांवों को बचाना होगा। और गाँवों को बचाने के लिए व्यापक पैमाने पर अभियान की जरूरत है। अपने प्रबोधनों में सरसंघचालक मोहन भागवत जी स्वराज्य से सुराज की बात करते हैं। ऐसा सुराज जिसमें सबकुछ अपना हो और वह विश्व के समक्ष एक प्रादर्श बने।

मोहन भागवत जी का स्वप्न वस्तुतः भारतमाता की उस वैभवशाली तस्वीर को रेखांकित करना है, जिसकी बात अब इतिहास के पन्नों पर दर्ज है। वे परंपरागत कौशल, लोकअन्न, गोवंश केंद्रित कृषि के साथ आत्मनिर्भर, स्वस्थ व समर्थ भारत की बात करते हैं जहाँ गांव स्वमेव एक आर्थिक इकाई बनें।

गांधी हमेशा ग्राम स्वराज के पैरोकार थे। उन्हें इसकी आशंका थी कि आजादी के बाद पहला प्रहार गांवों के ऊपर ही होगा, और हुआ भी। यूरोपीय दर्शन से प्रभावित पं.जवाहरलाल नेहरू ने शहरों को विकास का मानक बना दिया। श्रम आधारित कुटीर उद्योगों की जगह भारी मशीनों का बोलबाला शुरू हुआ। गांव की मिश्रित अर्थव्यवस्था भंग होती गयी। गाँव के लोग गँवार और शहरी लोग भद्र हैं अँग्रेजों के जाने के बाद यह विभाजन और तीक्ष्ण होता गया। भद्र बनने की ललक में उच्च मध्यमवर्ग ने गाँवों से पलायन कर निकट के शहरों में अपने डेरे जमा लिए और क्लब संस्कृति में रमने लगे। सेज, माल, मल्टीज ने गाँवों के श्रमिकों को अपनी ओर खींचना शुरू कर दिया। और प्रकारांतर में यह हुआ कि 90 के ग्लोबलाइजेशन के बाद, टाटा, बाटा, तनिष्क सभी गाँव पहुंच गए। गांव के परंपरागत कौशल को संगठित व ब?ी कंपनियों ने हजम करना शुरू कर दिया। सबसे पहले इसी वर्ग से काम छिना जो गांव की अपनी स्वतंत्र अर्थव्यवस्था के कारक थे।

मध्यप्रदेश के रीवा जिले के जिस ब?ीहर्दी नामक गाँव का मैं निवासी हूँ उसका इतिहास पाँच सौ वर्ष से ज्यादा पुराना है। जो गाँव दो सौ वर्ष भी पुराने होंगे वहां के उम्रदराज लोगों ने आहिस्ता-आहिस्ता ढहती अर्थव्यवस्था को अपनी नजरों से देखा होगा। हमारे गाँव में प्रायः हर वृत्ति के पारंगत लोग थे। लुहार, ब?ई, सोनार, ठठेर, ताम्रकार, रंगरेज, कोरी,धोबी,रंगरेज, नाई लखेरा,पटवा, मनिहार, बेहना,भ?भूजा बाँस का काम करने वाले बँसोर,चम? का जूता बनाने वाले चर्मकार, कुम्हार, बनिया, किसान। सभी एक दूसरे पर निर्भर या यों कहें परस्पर पूरक।

सन् सत्तर के दशक तक मेरी जानकारी में रुपये का विनिमय महज 10 प्रतिशत था। सभी काम सहकार और वस्तु विनिमय के आधार पर चलते थे। ब?ी कंपनियों के उत्पादों ने गाँव में सेध लगानी शुरू कर दी। सब एक एक एक कर बेकार होते गए। आज मेरे गाँव से लगभग समूचा कामकाजी वर्ग पलायन कर गया। लुहारी टाटा ने छीन ली और बाटा चर्मकार होकर पहुंच गए। सोनारों के धंधे में भी ब्राडेंड कंपनियाँ आ गई।

एक बार टीवी डिबेट मे़ मेरे एक साथी ने आपत्ति उठाई कि आप उनके उत्थान के पक्षधर नहीं हैं क्या? मैंने जवाब दिया हूँ.. लेकिन मेरा आग्रह यह कि जिनके पास सदियों से पीढ़ी दर पी?ी पारंपरिक कौशल है उसे आधुनिकता के साथ जो?ा जाना चाहिए। यदि उन्हें ही कौशल संपन्न बनाया जाता तो आज गाँवों में टाटा-बाटा, तनिष्क नहीं घुसते।

सबसे ब?ा खेल राजनीति का रहा। उन्होंने जातियों को वोट बैंक में बदल दिया और आरक्षण की मृगतृष्णा दिखा कर नौकरी की लाइन में ख?ा कर दिया। देश की सत्ता का संचालन करने भगवान् स्वयं आ जाएं तो वे सबको नौकरी नहीं दे सकते। साजिशाना तरीके से परंपरागत कौशल छीन कर उद्योगपतियों के हवाले कर दिया गया। गांधी ने जो ग्रामोद्योग वाली स्वाबलंबी व्यवस्था सोची थी उसका सत्यानाश हो गया। हर छोटे-ब? काम उद्योगपतियों के हवाले कर दिए गए। उद्योग जातीय बंधन नहीं मानता इसलिए पंडित बिंदेशरी पाठक आज देश के सबसे ब? स्वीपर हैं और पंडित विश्वनाथ दुबे ने देश का सबसे ब?ा मुरगीफार्म ख?ा कर दिया।

आरक्षण से ज्यादा जरूरी था इस वर्ग का आर्थिक सशक्तिकरण। यदि दलित जातियों के पास धन आ जाता तो सामाजिक गैरबराबरी अपने आप मिट जाती। अटलजी की सरकार में योजना आयोग में रहे एक ब? दलित नेता प्रो. सूरजभान ने कहा था- हर परिवार को न्यूनतम पाँच एक? जमीन दे देजिए और अपना ये आरक्षण अपने पास रखिये ये कामकाजी कर्मठ लोग अपनी हैसियत खुद बना लेंगे।

सत्तानशीनों से पूछिये क्या हुआ सीलिंग एक्ट का? यह तो सांविधानिक व्यवस्था थी कि एक परिवार के पास निर्धारित रकबा से ज्यादा भूमि न हो। अतिशेष जमीन भूमिहीनों में बाँट दी जाए। छः दशक काँग्रेस का शासन रहा क्या हुआ उस संविधानिक व्यवस्था का। भाजपा सरकार क्यों नहीं सोचती कि अतिशेष भूमि बाँटी जाए। पश्चिम बंगाल में वाममोर्चे की सरकार को आज भी जमींदारी उन्मूलन के लिए जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह उत्तरप्रदेश मे़ चकबंदी के फैसले और उसपर क?ाई से अमल के लिए जाने जाते हैं।

सत्ता में नए जमाने के जमीदार काबिज हैं। जो नहीं थे वे कुर्सी पाते ही बन गए। आज गांवों के सामने नया संकट है। पहला तो यह कि सत्तर प्रतिशत की लैंडहोल्डिंग दस प्रतिशत लोगों के पास है। ये दस फीसद लोगों की दोहरी नागरिकता है। हैं किसान, पर रहते शहर में हैं। ब? नगरों की पचास किमी की परिधि में अब ज्यादातर शहरी साहब ही किसान हैं। जमीनों का मालिकाना हक इन्हीं के पास है। ये ब? अफसर हैं या व्यवसायी। इनका गाँवों की उन्नति से कोई लेना देना नहीं। निवेश और औद्योगिकीकरण के नाम पर जोत की जमीनें जा रही हैं। नेशनल हाइवेज का विस्तार में भी जोत की जमीन का ब?ा हिस्सा जा रहा है। गांव के जो मध्यमवर्गीय किसान हैं उन्हें डराया जा रहा है कि खेती जोखिम का धंधा है। शहरी कारोबारी ठेके की खेती करने गाँव घुस रहे हैं। हताश किसान एक मुश्त रकम पाकर खेती छो? रहा है। सरकारें किसानों की सुविधाओं की बातें तो कर रही हैं लेकिन उनका भरोसा नहीं जीत पा रहीं। यह कथित किसान आंदोलन भी कुछ इसी तरह के भ्रम का परिणाम है।

कहीं प?ा था कि ब्राजील में ऐसा ही हुआ। गांवों में सिर्फ बीस प्रतिशत लोग रह गए। वे पलायन कर शहरों के स्लम में बस गए। खेती शहरी कारोबारियों के कब्जे मे़ आ गई। अपना देश जब आजाद हुआ था तब 85 फीसद लोग गावों में रहते थे। अब यह आँक?ा 65 फीसदी तक पहुंच गया। इस दरम्यान शहरों की संख्या तीन गुना ब? गई, नब्बे हजार गाँव खत्म हो गए। जब आजादी मिली थी तब कृषि क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 50 प्रतिशत था 2015 में यह 17 प्रतिशत आ गया। 40 प्रतिशत किसान ऐसे हैं जिन्हें विकल्प मिल जाए तो तत्काल खेती छो? दें।गांधी ने कहा था- प्रत्येक गाँव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वाबलंबी हों तभी सच्चा ग्राम स्वराज आ सकता है। आजाद भारत में जमीन पर अधिकार जमीदारों का नहीं, जोतने वालों का होगा, वही असली मालिक होंगे। गांधी के इस सपने को तिल तिल मारा गया। जिस क्रूर अर्थव्यवस्था की छाया में हम आगे ब? रहे हैं उसके चलते गांवों का वजूद संकट में हैं। व्यवस्था की इस अंधी कोठरी में मोहन भागवत जी की नसीहत एक रोशनदान की भाँति है। भारतमाता ग्राम्यवासिनी, गाँव बचेंगे तभी देश बचेगा। हम सब अपने अपने हिस्से का सोचें और जितना बन सके करें।

10 दिसंबर का इतिहास-:, शांति, समानता और न्याय की ओर एक कदम

कौशिकी

10 दिसंबर को हर साल मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। यह वह दिन है जब संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (ष्ठ॥क्र) को अपनाया था। यह घोषणा हर इंसान को उसका हक दिलाती है, खासकर भारत जैसे लोकतंत्र के लिए यह बहुत जरूरी है।

आज के दिन की कहानी्यह बात हम सब जानते हैं कि मानव इतिहास सदियों से संघर्ष और न्याय की तलाश से भरा रहा है। पुराने जमाने में ताकतवर लोग अक्सर कमजोरों के हक छीन लेते थे। यह एक पुरानी कड़वी सच्चाई है।

गूगल पर द सूत्र चुनें !

ऐसे में जब दूसरा विश्व युद्ध खत्म हुआ, तो दुनिया ने एक भयानक तबाही और अमानवीयता का दर्द महसूस किया। लाखों लोगों की मौत हुई और मानवता शर्मसार हो गई, जिसने सबको झकझोर दिया।

इस दर्दनाक अनुभव के बाद, दुनिया के समझदार नेताओं ने सोचा कि अब कुछ पक्का और बड़ा करना होगा। कुछ ऐसा बड़ा करना होगा जिससे इंसानियत हमेशा जिंदा रहे। इसलिए, 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई, ताकि सभी देश शांति से रह सकें।

10 दिसंबर 1948 का दिन इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है, इसे याद रखना जरूरी है। इसी दिन, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा को पेरिस में मंजूरी दी थी।

ये एक ऐसा हिस्टोरिकल डॉक्यूमेंट है जिसने दुनिया के हर कोने में इंसान के बुनियादी हकों की पक्की नींव रखी है। ये मैनिफेस्टो 30 अनुच्छेदों का एक ताकतवर आईना है, जो हर व्यक्ति के सम्मान और आजादी की गरंटी देता है।

भारत ने भी ष्ठ॥क्रको अडॉप्ट किया है। इससे भारत को अपने नागरिकों के लिए जस्टिस और इक्वलिटी सुनिश्चित करने में गाइडेंस मिली है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ह्यूमन राइट्स के मुद्दों पर आवाज उठाने में सपोर्ट मिलता है। भारत में कंस्टीट्यूशन में कई राइट्स ष्ठ॥क्रसे इंस्पायर्ड हैं।

_भारत हमेशा से ही आध्यात्मिक ज्ञान और अहिंसा की धरती रहा है, यह हमारी पहचान है। हमारी आजादी की लड़ाई भी मानवाधिकारों की एक लंबी और शानदार गाथा थी, जिसे दुनिया जानती है।

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के जरिए गोरे शासन के अन्याय के खिलाफ एक मजबूत आवाज उठाई थी। तो ऐसे में जब ष्ठ॥क्रबना, तो भारत भी उसका एक सक्रिय और मजबूत हिस्सा था।

ये हमें गर्व महसूस कराता है। हमारी संविधान सभा में मौजूद विद्वान नेताओं ने इस वैश्विक दस्तावेज के सिद्धांतों को गहराई से समझा था। इसी कारण, हमारे संविधान का भाग तीन सीधे तौर पर ष्ठ॥क्रसे प्रभावित दिखता है।

इसमें समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार और शोषण के खिलाफ अधिकार शामिल हैं। डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने सामाजिक न्याय को सबसे ऊपर रखा था, जो मानवाधिकारों का मूल आधार है।

मानवाधिकार दिवस का इम्पोर्टेंस

मानवाधिकार दिवस केवल आत्म-चिंतन का एक खास मौका है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हर इंसान को बिना किसी भेदभाव के जीने, आजाद रहने और सम्मान पाने का पूरा हक है। हमें जाति, धर्म, लिंग या आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी भी तरह के भेदभाव को खत्म करना होगा। इस दिन, संयुक्त राष्ट्र और दुनिया भर की संस्थाएं मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करती हैं। यह मौका है कमजोर और वंचित लोगों की आवाज बनने का, जो आज भी न्याय की राह देख रहे हैं। सरकार ने 1993 में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (क्क्श्वह्लद्गष्ह्लद्बश्ठ्ठ श्द्ध ॥ह्वद्वड्डठ्ठ ऋद्बद्दद्धह्लह्य ष्ह्ल) के तहत ह॥क्ष्ट की स्थापना की। यह एक आजाद संस्था है जो देश में मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करती है और जरूरी सिफारिशें देती है। यह लोगों की शिकायतें सुनता है और उन्हें न्याय दिलाने में मदद करता है।

बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार (ऋद्बद्दद्धह्ल ह्लश्च श्वस्त्रह्वष्ड्डह्लद्बश्ठ्ठ - ऋञ्जश्व ष्ह्ल, 2009)

इस अधिनियम के जरिए 6 से 14 साल तक के हर बच्चे को मुफ्त और जरूरी शिक्षा पाने का कानूनी हक मिला। यह मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (ष्ठ॥क्र) के शिक्षा के अधिकार को पक्का करता है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि गरीब से गरीब बच्चे को भी स्कूल जाने का पूरा मौका मिले।

सूचना का अधिकार यह कानून नागरिकों को सरकारी काम-काज और रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी माँगने का अधिकार देता है। ट्रांसपेरेंसी और एकाउंटेबिलिटी को बढ़ाने के लिए यह एक मजबूत टूल है।

यह अधिनियम स्ष्ट/स्ञ्ज के लोगों के खिलाफ होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए एक सख्त कानूनी ढांचा प्रदान करता है। यह सामाजिक न्याय और भेदभाव के खिलाफ समानता के अधिकार को पक्का करता है। ये मानवाधिकारों का एक सबसे ब?ा हिस्सा है। इस कानून में सख्त सजा का प्रावधान है।

इस योजना के तहत, ग्रामीण क्षेत्र के हर परिवार को साल में कम से कम 100 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है। यह काम करने के अधिकार और सम्मान के साथ जीने के अधिकार को सपोर्ट करता है। ये गरीबी को कम करने और आर्थिक सुरक्षा देने में मदद करता है।

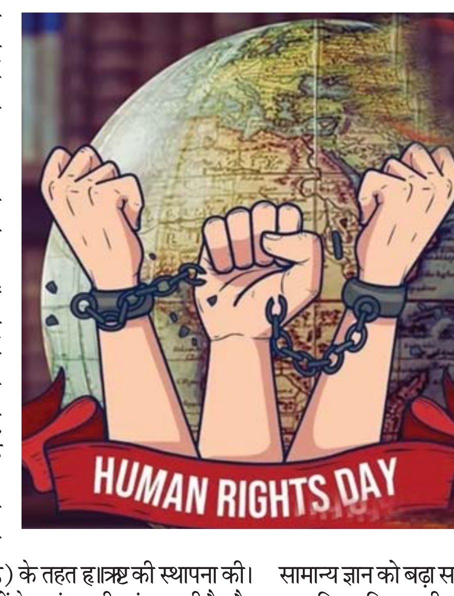

आज की डिजिटल दुनिया में, मानवाधिकारों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह एक बड़ी समस्या है। साइबर बुलिंग, निजी डेटा की चोरी और ऑनलाइन नफरत जैसे नए खतरे लगातार सामने आ रहे हैं।

पर्यावरण का बिगड़ना भी मानवाधिकारों पर सीधा असर डाल रहा है, जिसे रोकना जरूरी है। इसलिए, हमें ष्ठ॥क्रके सिद्धांतों को आज के जमाने के हिसाब से फिर से लागू करना होगा। सभी देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि मानवाधिकारों की मशाल हमेशा जलती रहे और अंधेरा दूर हो।

इस दिन दुनिया में कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। आइए जानते हैं 10 दिसंबर (आज की तारीख का इतिहास) को भारत और विश्व में घटी कुछ प्रमुख घटनाओं के बारे में, जो आपके सामान्य ज्ञान को बढ़ा सकती हैं।

विश्व इतिहास की प्रमुख घटनाएं

1508ऱ् पापल स्टेट्स, फ्रांस, आरागॉन और पवित्र रोमन साम्राज्य ने लीग ऑफ कंबराई का गठन किया, जो वेनिस गणराज्य के खिलाफ एक गठबंधन था।

1582ऱ्फ्रांस ने ग्रेगोरियन कैलेंडर का इस्तेमाल करना शुरु किया।

1684ऱ् एडमंड हैली ने आइजैक न्यूटन के केपलर के नियमों को उनके टॉगविटी के सिद्धांत से व्युत्पन्न करने वाले %पेपर डी मोटू कॉर्पोरम% को रॉयल सोसाइटी में प्रस्तुत किया।

1799ऱ्फ्रांस पहला देश बन गया जिसने वजन और उपायों के लिए मीट्रिक प्रणाली को अपनाया।

1817ऱ्मिसिसिपी को अमेरिका के 20वें राज्य के रूप में स्वीकार किया गया।

1884ऱ् अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेनवास द्वारा हकल बेरी फिन का एडवेंचर्स यूनाइटेड किंगडम और कनाडा में पहली बार प्रकाशित हुआ।

1896ऱ् स्वीडन के रसायनशास्त्री व नोबेल पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल का निधन हुआ।

1898ऱ्पेरिस की संधि पर हस्ताक्षर किए गए और स्पेनी-अमेरिकी युद्ध समाप्त हुआ।

1901ऱ्पहले नोबेल पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की मृत्यु की सालगिरह पर स्टॉकहोम में प्रदान किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवसः मानवता, योग, आध्यात्म और संतुलित विकास की ओर लौटने का वैश्विक आह्वान

मानवाधिकार करुणा से जन्म लेते हैं और न्याय से जीवित रहते हैं

– योग गुरु महेश अग्रवाल

योग गुरु महेश अग्रवाल नें बताया कि 10 दिसंबर को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाती है। यह दिन सिर्फ एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता को याद दिलाने का अवसर है कि - मनुष्य तब ही मनुष्य है, जब वह अपने और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करता है।आधुनिक समय में विकास की अंधी दौड़ ने इंसान को मशीनों, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा और लोभ की ओर खींच लिया है। परिणामस्वरूप मानव अधिकारों का हनन, मानसिक तनाव, असमानता, हिंसा, और पर्यावरण का विनाश व्यापक होता गया। ऐसे समय में आवश्यकता है कि मानवाधिकारों के साथ-साथ योग, अध्यात्म, स्वास्थ्य और करुणा - मानवता को जीवन का आधार बनाया जाए। यह लेख इन्हीं पहलुओं का एक गहन विश्लेषण है।

मानवाधिकार - मनुष्यता की बुनियाद मानवाधिकार क्यों महत्वपूर्ण हैं? मानवाधिकार वह आधार है जिस पर सभ्यता खड़ी रहती है। ये अधिकार मनुष्य को गरिमा, सुरक्षा, समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करते हैं। ये अधिकार किसी सरकार द्वारा दिए हुए दान नहीं हैं, बल्कि जन्मजात अधिकार हैं - जन्म से मृत्यु तक मनुष्य होने के नाते प्राप्त अधिकार। मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (10 दिसंबर 1948) इस घोषणा ने स्पष्ट संदेश दिया - हर व्यक्ति स्वतंत्र है। हर व्यक्ति समान है। जीवन, स्वतंत्रता, सम्मान और अवसर सबके लिए समान हैं। किसी पर अत्याचार, दमन, भेदभाव या शोषण नहीं होना चाहिए। यह घोषणा मानव इतिहास का वह बिंदु है जिसने मानवता को दिशा दी कि विकास सिर्फ तकनीक से नहीं, बल्कि करुणा, समानता और न्याय से होता है।

आज मानवाधिकार क्यों संकट में हैं? अंधाधुंध विकास - विकास की तेज़ दौड़ में जो पीछे छूट रहा है, वह है - मनुष्य, प्रकृति, संवेदनाएँ, संतुलित जीवन। जब विकास का उद्देश्य केवल आर्थिक-संख्या बन जाए, तो मानवता को नुकसान पहुंचना स्वाभाविक है। अत्यधिक औद्योगिकीकरण, प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग और आधुनिक जीवनशैली ने मानवाधिकारों को चुनौती दी है।

तकनीक का नियंत्रण और एकाकीपन तकनीक सुविधा देती है, पर अनुचित उपयोग मनुष्य को अकेला, तनावग्रस्त और निर्जीव बना देता है। आज सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति तो है, पर सहयोग और संवेदना कम होती जा रही है। यह भी मानवाधिकारों के सामाजिक पक्ष को कमजोर करता है।

असमानता और आर्थिक विषमता विश्व का बड़ा हिस्सा आज भी - भूख, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। असमानता मानवाधिकारों का सबसे बड़ा हनन है। पर्यावरण संकट - पर्यावरण नष्ट होने का अर्थ है - भविष्य की पीढ़ियों के मानवाधिकारों का हनन। यदि स्वच्छ हवा, जल और भोजन उपलब्ध न रहे, तो मानवाधिकार कैसे बचेंगे?

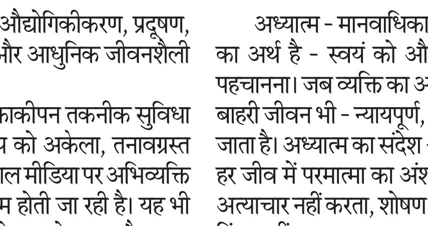

योग - मानवाधिकारों का आध्यात्मिक आधार मानवाधिकार सिर्फ कानून से सुरक्षित नहीं होते, बल्कि मानसिक परिष्कार और चेतना से सुरक्षित होते हैं। योग मन को अंदर से परिवर्तित करता है, जिससे मनुष्य - करुणामय, संतुलित, अहिंसक, विवेकपूर्ण, शांत बनता है। योग और मानवता का संबंध - योग हमें सिखाता है - हम सब एक ही चेतना के विस्तार हैं। जब यह अनुभूति आती है कि सामने वाला अलग नहीं, उसी परम चेतना का अंश है, तो - हिंसा रुकती है, द्वेष कम होता है, अहिंसा बढ़ती है, सम्मान और समानता की चेतना बढ़ती है। यही मानवाधिकारों की मूल भावना है। योग के द्वार से मानवाधिकारों की रक्षा - योग का अभ्यास मनुष्य को सिखाता है - स्वयं को समझो - आत्म-अधिकार, दूसरों को सम्मान दो - पर-अधिकार, अहिंसा में जीवन - सामाजिक अधिकार, संतुलित जीवन - स्वास्थ्य अधिकार, प्रकृति से तादात्म्य - पर्यावरण अधिकार। योग व्यक्ति को अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी सिखाता है। यही संतुलन समाज को स्थिर करता है।

अध्यात्म - मानवाधिकारों का अंतर्मुखी विज्ञान अध्यात्म का अर्थ है - स्वयं को और स्वयं में छिपे दिव्य गुणों को पहचानना। जब व्यक्ति का आंतरिक स्वरूप पवित्र होता है, तो बाहरी जीवन भी - न्यायपूर्ण, सत्यनिष्ठ, सरल, दयालु, शांत हो जाता है। अध्यात्म का संदेश - ईश्वर हर प्राणी में है, जब मनुष्य हर जीव में परमात्मा का अंश देखता है, तब वह - किसी पर अत्याचार नहीं करता, शोषण नहीं करता, भेदभाव नहीं करता, हिंसा नहीं करता, अध्यात्म मानवाधिकार को सिर्फ कानूनी अधिकार नहीं रहने देता, उसे मानव - धर्म बना देता है। धर्म और मानवाधिकार का सामंजस्य - भारत के सभी धर्म - हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, ईसाई, इस्लाम - हर धर्म का मूल संदेश है - मानवता, प्रार्थना, अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व इसलिए अध्यात्म मानवाधिकारों का सबसे बड़ा संरक्षक है।

स्वास्थ्य - मानव का मूल अधिकार एक स्वस्थ व्यक्ति ही - सही निर्णय, सही सोच, सही कर्म कर सकता है। इसलिए स्वास्थ्य पर ध्यान देना मानवाधिकारों की नींव है। योग - प्राकृतिक चिकित्सा - संतुलित जीवन - स्वास्थ्य किसी दवा का परिणाम नहीं, बल्कि एक - निरंतर अभ्यास, संतुलित आहार, स्वच्छ जीवन, सकारात्मक विचार का फल है। योग इन चारों को साधता है। तनाव और मानसिक रोग - नए युग का मानवाधिकार संकट। आज मनुष्य सबसे अधिक पीड़ित है - चिंता, अवसाद, तनाव, असंतुलित जीवन से। योग और ध्यान इन समस्याओं को जड़ से दूर करते हैं। स्वास्थ्य का अधिकार तभी सुरक्षित होगा जब पर्यावरण स्वच्छ रहेगा, समाज हिंसामुक्त रहेगा, जीवन संतुलित रहेगा, मन स्थिर रहेगा इसलिए स्वास्थ्य- योग - अध्यात्म मानवाधिकारों की सुरक्षा का आधार है।

अंधाधुंध विकास - मानवता पर आघात विकास कब मानवाधिकारों का शत्रु बन जाता है? जब विकास - प्रकृति का विनाश करे, समाज में विभाजन बढ़ाए, प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करे, मनुष्य को तनावग्रस्त बनाए, मूल्यों को नष्ट कर दे, तो यह विकास नहीं, विकृति बन जाता है। उपभोक्तावाद की दौड़ आधुनिक मनुष्य के जीवन का लक्ष्य बन गया है - और अधिक... और अधिक... और अधिक... यह लालच - मन को अशांत, समाज को असंतुलित, पर्यावरण को प्रदूषित, मानवता को विभाजित कर देता है। प्रकृतिकृति का विनाश - भविष्य की पीढ़ियों के अधिकार छीनना। आज के बच्चे और आने वाली पीढ़ियाँ भी मानव हैं - उनके भी अधिकार हैं। यदि हम जल, जंगल, जमीन को नष्ट कर दें, तो उनके अधिकारों का हनन होगा। यह मानवाधिकारों का सर्वाधिक गंभीर अपराध है।

मानवता - सबसे बड़ा मानवाधिकार मानवाधिकार सिर्फ कानून से नहीं, दिल से सुरक्षित होते हैं - अगर मनुष्य के भीतर - करुणा, क्षमा, दया, सहयोग, संवेदना, जागृत न हो, तो कोई भी कानून मानवाधिकारों को नहीं बचा सकता। मानवता कब जागृत होती है? जब मनुष्य स्वयं को पहचानता है। जब भीतर का अहंकार शांत होता है। जब योग और अध्यात्म का प्रकाश भीतर जलता है। मानवता का मूल सूत्र - जब मैं दूसरों के दुख को अपना दुख समझने लगूँ - तभी मैं वास्तव में मनुष्य हूँ।

योग - अध्यात्म आधारित मानवाधिकार मॉडल भारत अध्यात्म और योग की भूमि है। यहाँ मानवाधिकार केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य - संतुलित जीवनशैली का हिस्सा हैं। भारतीय दृष्टिकोण कहता है - मैं स्वतंत्र हूँ, पर मेरी स्वतंत्रता किसी को कष्ट न दे। मेरा अधिकार है, लेकिन समाज के प्रति मेरा कर्तव्य भी है। मैं प्रकृति प्रकृति का उपयोग करूँ, पर शोषण न करूँ। यह संतुलित दृष्टि आज विश्व को चाहिए।

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता - योगीय मानवाधिकार चेतना यह चेतना सिखाती है - मन शांत होगा तो हिंसा रुकेगी। शरीर स्वस्थ होगा तो समाज मजबूत होगा। प्रकृति संरक्षित होगी तो भविष्य सुरक्षित होगा। विचार पवित्र होंगे तो मानवता बढ़ेगी।आध्यात्मिक जागरण होगा तो अन्याय समाप्त होगा। मानवाधिकारों की रक्षा कोई बाहरी कार्यक्रम नहीं है। यह एक आंतरिक परिवर्तन है - जिसकी शुरुआत योग और अध्यात्म से होती है।

मानवाधिकार और चेतना का एकत्व - योग की सार्वभौमिक दृष्टि योग गुरु महेश अग्रवाल बताते हैं कि मानवाधिकारों का वास्तविक आधार केवल कानून नहीं, बल्कि चेतना का वह एकत्व है, जो हमें यह अनुभव कराता है - वह जो मुझमें है, वही सबमें है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

विधायक सुरेंद्र पटवा सुरजीत सिंह बिल्ले की चाची के निधन पर संवेदना व्यक्त करने पहुँचे

औबेदुल्लागंज संध्या प्रकाश - सुरजीत सिंह बिल्ले की चाची स्वर्गीय जसविंदर कौर के निधन के पश्चात मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा स्वर्गीय माता जी के निवास स्थान पर पहुँचकर शोक संतप्त परिवार से मिले और गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। विधायक पटवा ने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा क्षेत्र परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की परिवारजनों गुरेंद्र सिंह (राजू भैया) हरदीप सिंह कृष्णपाल सिंह (मन्नू बाबा) सतवीर सिंह, हरमन सिंह जगजीत सिंह, तेजिंदर सिंह रणजीत सिंह सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विधायक के आगमन पर आभार जताया।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त हुए 146 आवेदन

सिवनी सांध्य प्रकाश- प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर सी.एल. चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खण्डायत सहित अन्य विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे। इसी तरह सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई से जुड़े।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा जनसुनवाई में आए आवेदकों की समस्याओं को सुनते हुए संबंधित विभागाधिकारियों को आवेदक की समस्या को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के दिशा निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का समाधान समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए ताकि आम नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके।

वहीं जनसुनवाई में दूर दराज से आए आवेदकों की समस्याओं के संबंध में कलेक्टर श्रीमती पटले द्वारा संबंधित विकासखण्डस्तरीय अधिकारी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा कर आवेदक की समस्या को शीघ्र निराकरण कराने के दिशा निर्देश दिए गए।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में तहसील सिवनी अंतर्गत ग्राम भोंगाखेडा निवासी जगदीश सिंह द्वारा गरीबी रेखा में नाम जोड़े जाने विषयक, तहसील बरघाट अंतर्गत वार्ड नं. 10 निवासी प्रदीप कुमार भालेकर द्वारा पिता की मृत्यु उपरांत उनकी पेंशन राशि दिलाये जाने विषयक, तहसील कुरई अंतर्गत ग्राम चक्कीखमरिया निवासी पितरू चौरिया द्वारा काबिज भूमि का पट्टा दिलाये जाने विषयक, ग्राम मैली तहसील सिवनी निवासी सांसो बाई भलावी द्वारा मकान बनाने के लिए सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम हरदुली निवासी सुनरवती परते द्वारा संबंल कार्ड पात्रता के आधार पर परिवार को मिलने वाली सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, तहसील घंसौर अंतर्गत ग्राम मानेगांव निवासी लखनलाल दुबे द्वारा स्वामित्व योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, ग्राम गंगई तहसील सिवनी निवासी मयंक बघेल द्वारा एनएमएमएस योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति दिलाये जाने विषयक, ग्राम लूघरवाडा सिवनी निवासी छोटो बघेल द्वारा आंख के ईलाज के लिए गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाये जाने विषयक, ग्राम कमकासुर निवासी तीरथ प्रसाद श्रीवास द्वारा पीएम आवस योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील कुरई अंतर्गत ग्राम रिड्डी निवसी राकेश कुमार डहरवाल द्वारा शासन से मिलने वाली प्रसूति सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, शास्त्री वार्ड सिवनी निवासी संतोष डहेरिया द्वारा मकान का पट्टा दिलाये जाने विषयक, ग्राम सीलादेही सिवनी निवसी अन्नी बाई यादव द्वारा जंगली सुअरों के द्वारा मक्का का नुकसान की मुआवजा राशि दिलाये जाने विषयक, ग्राम मोहगांव कुरई निवासी गयाप्रसाद कुर्वेती एवं अन्य द्वारा कृषि भूमि में विद्युत कनेक्शन लगाये जाने विषयक, तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम धनककडी हीरालाल सेन द्वारा फसल नष्ट होने पर कार्यवाही किये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम बोरिया निवासी अनिता पंद्रे द्वारा समग्र आईडी में नाम जोडे जाने विषयक सहित कुल 146 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने संबंधित विभागाधिकारियों को दिए।

ग्रीन सिंहस्थ क्लीन सिंहस्थ की परिकल्पना को साकार करने में जुटे संभागीय कमिश्नर आशीष सिंह

उज्जैन, सांध्य प्रकाश। सिंहस्थ - 2028 को धार्मिक आध्यात्मिक के साथ अभी तक का सबसे आधुनिक आयोजन करने की तैयारी को संभागीय कमिश्नर और सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने एक चुनौती के रूप में लिया है। सिंहस्थ 2028 दुनिया का सबसे आधुनिक आयोजन बनाने की शुरुआत कर दी है। इसके लिए सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह आगामी सिंहस्थ को पर्यावरण अनुकूलन बनाए रखते हुए स्वच्छ एवं हरित बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे है। आगामी सिंहस्थ 2028 ग्रीन सिंहस्थ , क्लीन सिंहस्थ के रुप में दिखाई दें। सिंहस्थ मेला कार्यालय में आयोजित बैठक में सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने बताया कि सिंहस्थ 2028 को इस प्रकार से आयोजित किया जाएगा जिसमें पेयजल की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के साथ-साथ अपशिष्ट से निकलने वाले जल को कृषि एवं उद्योगों के उपयोग के बनाने के लायक बनाया जा सके और इन सब व्यवस्थाओं को वर्तमान में चल रही व्यवस्थाओं के साथ जोड़कर बेहतरीन का आयोजन किया जाए।सिंहस्थ मेला कार्यालय में आयोजित बैठक में आज मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने बताया कि आधुनिकता के साथ अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान के लिए विशेष रूप से अलग कार्य किया जा रहा है। लगभग 30 करोड लोगों के आने के साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी चुनौती रहेगी। इस चुनौती से निपटने के लिए अलग-अलग स्तरों पर कार्य किया जाना आवश्यक है। इन्हीं संभावनाओं को देखते हुए आज इन कंपनियों द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया है। जिस पर विचार विमर्श कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार आधुनिक और युवाओं की सोच के साथ सिंहस?थ आयोजन बेहतर बनाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है, जिसमें हमारे साधु संतों को आध्यात्मिक का अनुभव के साथ धार्मिक परंपराएं बनी रहे। और इसी के साथ हमारे पर्यावरण को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो। जल, जीव, पर्यावरण, पशु ,पक्षी और वनस्पति इन सभी को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो।

किसानों के हक में फसल का वाजिब मूल्य दिलाने कांग्रेस का आंदोलन आज

सरकार की कथनी और करनी में फर्क- नरेश मरावी

सिवनी सांध्य प्रकाश- इस सरकार में जो रहा है अब तक ऐसा छल किसानों के साथ कभी नहीं हुआ है, सरकार की कथनी और करनी में अंतर दिख रहा है, सरकार कहती कुछ है और करती कुछ है, सरकार ने वायदा किया था कि किसानों को उसकी फसल का बड़ी मूल्य मिलेगा, लेकिन अन्नदाता किसान अपनी उपज मक्का को औने-पौने दामों में बेचने पर मजबूर है। मक्के की खरीदी सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य 2400 रूपए प्रति किंटल सुनिश्चित की जाए साथ ही धान को 3100 रूपये समर्थन मूल्य एवं गेहूं को 2700 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाए। उक्ताशय की बात जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान पार्टी जिलाध्यक्ष नरेश मरावी के द्वारा कही गई है।

श्री मरावी ने आगे कहा कि, इस अवसर पर समर्थन मूल्य खरीदी के लिए गेहूं 1 मार्च से मूंग, उड़द 1 जून से एवं धान मक्का मोटे अनाज सोयाबीन 1 नवंबर से समर्थन मूल्य पर खरीदे जाएं। बोनी के समय खाद बीज की समस्या किसानों के पर्याप्त मात्रा में खाद बीज उपलब्ध कराया जाए। बिजली समस्या से परेशान किसानों को राहत दिलाई जाए, वोल्टेज की समस्या ट्रांसफार्मर का उचित रख रखाव, किसानों पर भारी भरकम बिजली बिल रोका जाए।

मंडी में व्याप्त अनियमिताओं को सुधारा जाए। किसानों को सिंचाई के लिए ट्रांसफार्मर लगवाने पर सब्सिडी प्रदान की जाए। लालमाटी क्षेत्र के किसानों को सिंचाई हेतु ऐरिगेशन के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए।

किसानों की फसल का वाजिब मूल्य मिले इस हेतु 10 दिसंबर को कचहरी चौक सिवनी में विशाल किसान आंदोलन का आयोजन किया गया है।

इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष नरेश मरावी, पूर्व अध्यक्ष एवं जबलपुर प्रभारी राजकुमार खुराना, शिव सनोडिया, आदित्य भूरा मोन्टी, सुरेंद्र करोसिया, विष्णु करोसिया, राजा बघेल, सुरेन्द्र करोसिया, फिरोज खान, असलम खान, यशपाल भलावी, तनवीर अहमद सहित सभी प्रकोष्ठों के सदस्यों ने जिले कांग्रेस जनों व किसानों सहित ग्रामीण जनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

ये भी रखी मांगें...

श्री मरावी ने आगे बताया कि जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी नहरो का त्वरित मरम्मत कार्य कराया जाए एवं दोषियों पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। वन्य प्राणी बाघ इत्यादि से होने वाली जनहानि पर महाराष्ट शासन की तर्ज पर पीड़ित परिवार को 25000 रुपए की मुआवजा राशि एवं परिवार के सदस्य को शासकीय सेवा में लिया जाए, खेत सड़क योजना पर लगाई रोक हटाकर निर्माण कार्य चालू किया जाए।

एनकॉर्ड व जिला सड़क सुरक्षा समिति की अहम बैठक

कटनी कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, नशा व ओवरलोड पर जीरो टॉलरेंस

कटनी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर आशीष तिवारी ने कई कड़े और महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। बैठक में कानूनङ्क्वव्यवस्था, नशा नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि ओवरलोडेड वाहनों पर सख्ती बेहद जरूरी है। माइनिंग विभाग और आरटीओ संयुक्त कार्रवाई कर ऐसे वाहनों पर तत्काल रोक लगाएँ। स्कूलङ्ककॉलेजों के 100 मीटर दायरे में नशे की दुकानों की जांच शिक्षण संस्थानों के आसपास पानङ्कगुटखा व नशीली दवाओं की दुकानों की जांच कर अवैध दुकानों को हटाने के निर्देश दिए गए साथ ही स्वास्थ्य, पुलिस और शिक्षा विभाग को छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता अभियान चलाने के लिए कहा।कलेक्टर तिवारी ने जोर दिया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार पर पुख्ता सूचना तंत्र तैयार किया जाए, ताकि युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाले तत्वों पर त्वरित कार्रवाई हो सके। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई तेज,आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस को संयुक्त अभियान चलाकर ड्रिंक एंड ड्राइव में पकड़े जाने वालों के लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश जारी किए, ड्रग इंस्पेक्टर पर कार्रवाई – दो दिन का वेतन कटेगा

सेतु निगम द्वारा बंद किए गए सार्वजनिक रास्ते को खुलवाने की मांग

सीहोर, सांध्य प्रकाश। हाऊसिंग बोर्ड रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में प्रारम्भ से ही अनियमितताओं के आरोप लगते रहे हैं। सर्विस रोड की मांग को लेकर विभिन्न कॉलोनियों के रहवासी कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं, यहां तक कि अमरण अनशन भी किया गया था। अब इसी मुद्दे पर कॉलोनीवासी समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद मनोज गुजराती ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर को एक पत्र सौंपकर सार्वजनिक मार्ग को तत्काल खुलवाने की मांग की है। पत्र की प्रतिलिपि सीएमओ को भी भेजी गई, जिसके आधार पर सहायक यंत्री को कलेक्टर को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि वार्ड क्रमांक 21 के अंतर्गत पं. दीनदयाल नगर, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, संतोष नगर, कृष्णा नगर सहित अन्य कॉलोनियों में लगभग पाँच हजार लोग निवास करते हैं। नगर पालिका इन सभी क्षेत्रों से संपत्ति कर एवं जलकर की वसूली भी करती

है, जिसकी पुष्टि सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त पत्र क्रमांक 9022 से होती है।इन कॉलोनियों के आवागमन का मुख्य मार्ग पुराने भोपाल-सीहोर हाईवे पर निकलता था। सेतु निगम द्वारा इस मार्ग को हाल ही में दीवार बनाकर पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिसके चलते हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।सूचना के अधिकार में 27 अक्टूबर 2025 को ब्रिज निर्माण अनुमति से संबंधित जानकारी मांगी गई थी। जवाब में नगर पालिका कार्यालय ने 14 नवंबर 2025 को पत्र क्रमांक 877 द्वारा स्पष्ट किया कि ब्रिज कार्पोरेशन को किसी प्रकार की अनुमति जारी नहीं की गई है। मनोज गुजराती का कहना है कि लगभग 28 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस ब्रिज निर्माण के लिए कोई विधिवत अनुमति प्राप्त न होना गंभीर अनियमितता है। बिना अनुमति के सार्वजनिक मार्ग को बंद करना अवैधानिक है, बावजूद इसके नगर पालिका द्वारा अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग नगर पालिका स्वत्व का है और वार्ड 21 में आता है, ऐसे में इसे बंद करने से पहले अनुमति लेना अनिवार्य था।

रक्तदान शिविर का आयोजन : महाविद्यालय में रक्तदान कर प्रस्तुत की गई मानवता की मिसाल

सिरोंज, सांध्य प्रकाश। नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आईक्यूएसी इकाई, राष्टीय सेवा योजना इकाई, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ तथा एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में एचडीएफसी बैंक के सहयोग से एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए मानवता की एक अनूठी मिसाल पेश की। नैक तथा आईक्यूएसी प्रभारी प्रोफेसर अनामिका ठाकुर,भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ कल्पना पंचोली, एनसीसी अधिकारी डॉ शिव कुमार यादव तथा राष्टीय सेवा योजना प्रभारी प्रोफेसर महेश चन्द्र परमार के संयुक्त मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और ब्लड बैंक के भण्डार में योगदान करना था। महाविद्यालय परिसर में सुबह 11 बजे से शिविर का विधिवत प्रारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ लालचन्द राजपूत के द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्होने कहा कि रक्तदान को महादान कहा जाता है क्योंकि यह जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के परिजनों ने भी रक्तदान किया। इस पावन आयोजन के सहयोगी एचडीएफसी बैंक के कर्मचारियों ने भी रक्तदान कर सराहनीय कार्य किया। जिला चिकित्सालय से आई अनुभवी डॉक्टरों की एक टीम ने पूरी प्रक्रिया की देखरेख की जिससे सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को सुनिश्चित किया जा सका।

विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति किया जागरूक – महाविद्यालयीन स्टाफ ने विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति जागरूक किया तथा रक्तदान करने हेतु प्रोत्साहित किया। रक्तदान करने वाले सभी रक्त दाताओं को प्रमाण-पत्र और जलपान (फल और जूस) प्रदान किया गया। रक्तदान करने में छात्र-छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह दिखाया। परिणाम स्वरूप शाम 5 बजे तक चले इस शिविर में कुल 46 यूनिट रक्त सफलतापूर्वक एकत्र किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ लालचन्द राजपूत ने रक्तदान शिविर के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि रक्तदान एक महान दान है जो कई लोगों की जान बचा सकता है।

कोतवाली पुलिस का गौ-वंश तस्करों पर कड़ा प्रहार 32 गौ-वंश बैल को कराया गया मुक्त

सिवनी सांध्य प्रकाश। पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता द्वारा गौवंश तस्करी व अवैध परिवहन पर न केवल संवेदनशील हैं अपितु गौवंश तस्करों पर लगातार कार्रवाई हेतु सक्त हैं, जो इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी श्रीमती श्रृध्दा सोनकर के कुशल मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी के नेतृत्व में कोतवाली टीम के द्वारा दिनांक 09/12/25 को एक कंटेनर से 32 नग गौ-वंश को मुक्त कराया गया।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 09/12/2025 की रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गौ-वंश तस्करों द्वारा जबलपुर से नागपुर की ओर बायपास से निकल रहा सफेद रंग के कंटेनर ॥ऋ67क्क2505 वाहन में अवैध रूप से गौवंशो को क्रूरता पूर्वक ठूस-ठूसकर भरकर कत्ल खाने नागपुर तरफ ले जाया जा रहा है सूचना पर तत्काल हमराह स्टाफ के जबलपुर नागपुर फोरलेन हाईवे छिन्दवाडा रोड ब्रिज के पास पहुंचकर तथा हमराह स्टाफ एवं गवाहों के सफेद रंग के बंद कंटेनर ट्रक क्र. ॥ऋ67क्क2505 को बामुश्किल ट्रकों का जाम लगाकर रोका जो उक्त वाहन का चालक व एक अन्य व्यक्ति पुलिस को देखकर वाहन खडा कर भागने लगे जिसे हमराह स्टाफ के घेराबंदी कर दो व्यक्तियों को पकडा गया वाहन की तलाशी पर कंटेनर को खोलकर देखने पर 32 नग गौवंश मवेशी बैल गिरमा रस्सी से सींग पैर गर्दन से निर्दयतापूर्वक बंधे हुए होकर क्रूरता पूर्वक ठूस-ठूस कर भरे हुये थे। पकडे गये व्यक्तियों से पूछताछ करने पर वाहन चालक ने अपना नाम मोहम्मद साकिर सिद्दिकी एवं उसके साथी मैशाद कुरैशी होना तथा पूछताछ पर दिनांक 08/12/25 को जिला पन्ना के जंगल में वहां आसपास के लोगों से जानवर खरीदकर कत्लखाना नागपुर बेचने के लिये 32 नग बैल लेकर कंटेनर वाहन में निकलना बताये। कंटेनर में से 32 नग गौ-वंश बैल को सुरक्षित मुक्त कराया गया जिन्हें सुरक्षित गौशाला दयोदय जीवरक्षा संस्थान बीझावाडा में चारा पानी एवं उचित देख रेख हेतु रखवाया गया हैं एवं आरोपियों की विधिवत् गिरफ्तारी की जाकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

पुलिस द्वारा जप्त शुदा संपत्ति में एक कंटेनर क्रमांक 11ऋ67क्क2505 कीमती करीबन 10,00,000/- रूपये। 32 नग गौ-वंश बैल कीमती करीबन 3,00,000/- रूपये।

आरोपियो में मोहम्मद साकिर सिद्दिकी पिता मोईनुद्दीन सिद्दिकी उम्र 38 साल निवासी अहमदपुर थाना पुरामुक्ती

जिला प्रयागराज (उ.प्र.), मैशाद पिता अहमदउल्ला कुरैशी उम्र 35 साल निवासी अमाव थाना खागा जिला फतेहपुर (उ.प्र.)

इस अभियान में सराहनीय कार्य निरीक्षक सतीश तिवारी, सउनि जयवंत ठाकुर, प्र.आर. प्रशांत राठौर, आर. संतोष साहू, विनय सेंगर, राजेन्द्र राजपूत, सतीश इनवाती, सिध्दार्थ दुबे, प्रतीक बघेल, मुकेश चौरिया, इरफान खान की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं।

जनभागीदारी से शाला महुआखेड़ी तकीपुर में मुख्य द्वार व बाउंड्रीवॉल निर्माण पूरा

सीहोर, सांध्य प्रकाश। शासकीय माध्यमिक शाला महुआखेड़ी तकीपुर में जनभागीदारी, शिक्षक एसएमसी और ग्रामवासियों के सहयोग से मुख्य द्वार और बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य पूरा हुआ।मुख्य द्वार का निर्माण लगभग 1.21 लाख रुपये की लागत से किया गया, जबकि बाउंड्रीवॉल आईटीसी सुनहरा कल, सीपा संस्था के सहयोग और आरआरयूईके-डीपीसी के मार्गदर्शन में लगभग 3.25 लाख रुपये की लागत से तैयार हुई। मंगलवार को जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने दोनों कार्यों का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने शाला में विकसित माँ की बगिया, प्रिंट समृद्ध वातावरण, लाइब्रेरी, चलित पुस्तकालय, खेल सामग्री, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, लर्निंग कॉर्नर, जैविक खाद, नर्सरी और स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया। सीईओ ने बच्चों के साथ मिड-डे मील कर गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया तथा शाला परिसर में पौधरोपण भी किया।अपने उद्बोधन में श्रीमती यादव ने शाला की स्वच्छता टीम, अध्यापन कार्य एवं एफएलएन में उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किए और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम में एमडीएम प्रभारी श्रीमती मधुलिका जोशी, सीपा संस्था के नारायण सिंह परमार, देवेंद्र ठाकुर, जयदीप, शिक्षक सतीष त्यागी, गोवर्धन सिंह, प्रार्थना गुप्ता, सरिता ठाकुर, साक्षी पालिवाल सहित अन्य शिक्षक, ग्रामवासी, पालकगण एवं रसोइया दल उपस्थित रहा।

सरकारी पेंशन खातों में घोटाला, 44 लाख गबन में बैंक कर्मचारियों समेत 7 पर एफआईआर

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने सरकारी पेंशन और सामाजिक सुरक्षा राशि वाले खातों में की गई बड़े बैंक घोटाले का खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि बैंक ऑफ इंडिया के दो कर्मचारियों ने अपने पांच परिचितों के साथ मिलकर 3 वर्षों तक निष्क्रिय खातों को अवैध रूप से सक्रिय किया और उनमें जमा सरकारी रकम को निकालकर करीब 44.11 लाख रुपये का गबन किया। मंगलवार को ईओडब्ल्यू ने दीपक जैन, अजय सिंह परिहार, खुशबू खान, अफरोज खान, ललिता ठाकुर, कल्पना जैन, हेमलता जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। साथ ही अन्य संभावित सहयोगियों की जांच जारी है। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक साजिश, आईटी एक्ट के तहत पहचान और डेटा का दुरुपयोग, साइबर धोखाधड़ी की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। बता दें डॉर्मेंट खाता वह खाता होता है जिसमें लंबे समय तक कोई लेन-देन नहीं होता, इसलिए बैंक उसे निष्क्रिय घोषित कर देता है।

44.11 लाख की हेराफेरी

ईओडब्ल्यू ने बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल जोन से मिली शिकायत के आधार पर जो जांच की, उसमें पाया गया कि बैंक कर्मचारी दीपक जैन (स्पेशल असिस्टेंट) और अजय सिंह परिहार (स्टाफ क्लर्क) ने योजनाबद्ध तरीके से खातों में हेराफेरी की। दोनों ने फिनेकल सिस्टम में अपनी और सहकर्मियों की लागिंग आईडी का दुरुपयोग कर 212 से अधिक प्रसुप्त खातों को सक्रिय किया। इन खातों में शासन की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राहत राशि और अन्य सरकारी सहायता जमा होती थी। सक्रिय होने के बाद इन खातों से रकम चार परिचितों खुशबू खान, अफरोज खान, ललिता ठाकुर और कल्पना जैन के खातों में ट्रांसफर की गई। सभी ञरूकार्ड आरोपी दीपक जैन के पास थे और इन्हीं एटीएम से नकद निकासी की जाती रही। करीब 44.11 लाख रुपये को आरोपी 70.30 के अनुपात में बांटते थे।

घोटाला ऐसे पकड़ा गया

18 मार्च 2019 को सैफिया कॉलेज शाखा में एक महिला ने शिकायत की कि उसके मृत पति के खाते से अवैध निकासी हुई है। शाखा प्रबंधक ने आंतरिक जांच की, जिसमें लेनदेन दीपक जैन और अजय सिंह परिहार द्वारा किए जाने की पुष्टि हुई। यह मामला जब ऊपरी स्तर पर पहुंचा, तो बैंक की विजिलेंस और विभागीय जांच में कई शाखाओं में लगातार हेराफेरी के प्रमाण मिले।

जांच में तथ्य सामने आए

ईओडब्ल्यू ने फिनेकल लॉग, एटीएम निकासी रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और ट्रांजैक्शन रिपोर्ट की जांच की। इसमें पाया गया कि 64 खाते दीपक जैन ने अपने सहकर्मियों की आईडी का दुरुपयोग कर खुद सक्रिय किए। तीन वर्षों (जनवरी 2016-मार्च 2019) तक घोटाला कई शाखाओं में चलता रहा। आरोपियों के निजी खातों में बड़ी मात्रा में संदिग्ध नकद जमा पाई गई। बैंक के मानक संचालन नियमों का भारी उल्लंघन किया गया। सुपरवाइजरी कंट्रोल बेहद कमजोर पाया गया। ईओडब्ल्यू ने कहा कि यह केवल बैंकिंग अनियमितता नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पहचान के दुरुपयोग, सिस्टम में घुसपैठ और साइबर धोखाधड़ी का गंभीर मामला है।

भारत के एआई मिशन को मिलेगी नई उड़ान: माइक्रोसॉफ्ट करेगा 1.5 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भविष्य को तेज रफ्तार देने की दिशा में दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट ने ऐतिहासिक घोषणा की है। कंपनी के सीईओ सत्य नडेला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद भारत में 1.5 लाख करोड़ रुपये (17.5 बिलियन डॉलर) के विशाल निवेश का ऐलान किया है। यह एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। सत्य नडेला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ढ्ढ्रमोदी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि भारत में ढ्ढ अवसरों पर हुई बातचीत बेहद प्रेरणादायक रही। उन्होंने कहा, 'भारत की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट 17.5 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा। यह एशिया में हमारा अब तक का सबसे बड़ा निवेश है, जिससे भारत के ढ्ढ-फर्स्ट भविष्य के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा, कौशल और क्षमताएं विकसित होंगी।' माइक्रोसॉफ्ट ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि कंपनी का यह निवेश प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल भारत विजन से मेल खाता है तथा यह तीन प्रमुख स्तंभों स्केल, स्किल और संप्रभुता पर आधारित होगा। कंपनी ने कहा कि यह पहल देश को डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से आगे बढ़ाकर ढ्ढ पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के नए युग में ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। माइक्रोसॉफ्ट का यह कदम भारत में उभरते ढ्ढ पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करते हुए आने वाले दशक में नए वैश्विक मानक स्थापित करने की क्षमता रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निवेश से न केवल तकनीकी कौशल बढ़ेगा, बल्कि लाखों नए रोजगार और स्टार्टअप अवसरों का भी सृजन होगा, जिससे भारत का ढ्ढ ड्रीम और अधिक साकार होता दिखेगा।

अमेजन करेगा भारत में 3.14 लाख करोड़ का निवेश, 2030 तक 10 लाख नौकरियां पैदा करने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन ने भारत में 2030 तक लगभग ?3.14 लाख करोड़ निवेश करने की घोषणा की है। यह निवेश सभी बिजनेस सेगमेंट में किया जाएगा और इसका मुख्य फोकस एआई आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात बढ़ाना और रोजगार सृजन होगा। कंपनी के अनुसार, भारत से अमेजन का निर्यात 20 अरब डॉलर से बढ़ाकर 80 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने सभी बिजनेस सेगमेंट में 2030 तक 35 अरब डॉलर यानी लगभग ?3.14 लाख करोड़ के भारी निवेश की योजना बना रही है। यह घोषणा कंपनी के अमेजन संभव शिखर सम्मेलन के दौरान की गई। अमेजन के उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि कंपनी भारत में एआई आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात में तेजी और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस करेगी।

2030 तक 10 लाख अतिरिक्त नौकरियों का लक्ष्य

अग्रवाल के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य है कि भारत से अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाले निर्यात को वर्तमान 20 अरब डॉलर से बढ़ाकर 80 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए। इसके साथ ही कंपनी 2030 तक 10 लाख अतिरिक्त नौकरियां बनाने का लक्ष्य भी रखती है, जिसमें प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, मौसमी और प्रेरित रोजगार शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अमेजन ने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से संकलित कीस्टोन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। अग्रवाल ने बताया कि मई 2023 में, अमेजन ने तेलंगाना और महाराष्ट्र में अपने स्थानीय क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में 2030 तक भारत में 12.7 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की। कंपनी 2016 और 2022 के बीच भारत में पहले ही 3.7 अरब डॉलर का निवेश कर चुकी है।

अमेजन ने किया अधिक निवेश

अमेजन की निवेश योजना माइक्रोसॉफ्ट की 17.5 अरब डॉलर की निवेश योजना से दोगुनी और 2030 तक गूगल की 15 अरब डॉलर की निवेश योजना से लगभग 2.3 गुना है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। इसमें पूर्ति केंद्र, परिवहन नेटवर्क, डेटा केंद्र, डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी विकास शामिल हैं। कीस्टोन रिपोर्ट के अनुसार, अमेजन ने 12 मिलियन से अधिक छोटे व्यवसायों का डिजिटलीकरण किया है और 20 अरब डॉलर के संचयी ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाया है, जबकि 2024 में भारत में विभिन्न उद्योगों में लगभग 2.8 मिलियन प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रेरित और मौसमी नौकरियों का समर्थन किया है। भारत से निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए, अमेजन ने विनिर्माण-केंद्रित पहल एक्सेलरेट एक्सपोर्ट्स शुरू की है। इसका उद्देश्य डिजिटल उद्यमियों को विश्वसनीय निर्माताओं से जोड़ना और निर्माताओं को सफल वैश्विक विक्रेता बनने में सक्षम बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत, अमेजन भारत भर में 10 से अधिक विनिर्माण समूहों में जमीनी स्तर पर ऑनबोर्डिंग अभियान आयोजित करेगा, जिनमें तिरुपुर, कानपुर और सूरत शामिल हैं।

13 दिसंबर को फंदा आएंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजा विक्रमादित्य द्वार का करेंगे शिलान्यास

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ क्षेत्र का भ्रमण किया

भोपाल, सांध्यप्रकाश। 13 दिसंबर को हुजूर विधानसभा क्षेत्र के हरिहर नगर फंदा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पधारेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्र में तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। दरअसल फंदा में 'मुख्यमंत्री मोहन यादव' के नेतृत्व में राज्य सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में इंदौर उज्जैन मार्ग भोपाल के प्रवेश मार्ग पर बनने वाले राजा विक्रमादित्य द्वार का शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ क्षेत्र का भ्रमण किया तथा आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चाक चौबंद इंतजाम के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल कलेक्टर कोशलेंद्र विक्रम सिंह, निगम आयुक्त संस्कृति जैन, जिला पंचायत सीईओ ईला तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि - 'प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आज वैश्विक मंच पर मजबूती से अपनी पहचान दर्ज करा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना के साथ केंद्र सरकार ने जनकल्याण और विकास की जो गति प्रदान की है, उसने देश की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने पिछले दो वर्षों में ऐतिहासिक निर्णयों, तीव्र कार्यशैली और पारदर्शी शासन से प्रदेश में विकास की नई परंपरा स्थापित की है।' उन्होंने आगे कहा कि सड़क, रोशनी, पेयजल, महिला सुरक्षा, धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों के संवर्द्धन, औद्योगिक निवेश, कृषि-उन्नति और गरीब कल्याण की योजनाओं में जो गति पिछले दो वर्षों में आई है, वह प्रदेश में स्थायी विकास की नींव को और मजबूत करती है। इसलिए '13 दिसंबर का कार्यक्रम केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, सरकार की निष्ठा और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का पर्व होगा'

बीएचईएल के ईडी पद की कतार में 52 अफसर, 5 भोपाल से

भोपाल, सांध्यप्रकाश। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड भेल महारत्न कंपनी में महाप्रबंधक से ईडी पद के साक्षात्कार बुधवार को होंगे। इसमें 52 अफसर शामिल होंगे इनमें भेल भोपाल यूनिट के 5 अफसर भी शामिल हैं। कौन बनेंगा ईडी इसको लेकर तरह–तरह की अटकलें लगाई जा रही है साक्षात्कार के बाद जल्द ही लिस्ट भी जारी कर दी जायेगी। कंपनी की बेहतरी के लिये बेहतर परफारमेंस वाले अफसरों को मौका मिलने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

खासबात यह है कि जिन अफसरों को जीएम हेड पहले से ही बना दिया गया है उन्हें पहले मौका दिया जायेगा। साथ ही इस बात का ध्यान भी रखा जायेगा की जिन अफसरों का जीएम हेड बनने के बाद भी बेहतर परफारमेंस नहीं रहा है या कुछ जल्द ही रिटायर होने वाले हैं उनका ईडी बनना मुश्किल दिखाई दे रहा है। वर्ष 2025 में भी इस पद के कई दावेदार रिटायर हो चुके हैं और कुछ वर्ष 2026 में रिटायर होंगे। इस बात को ध्यान में रखते हुये भेल के मुखिया कुछ बेहतर परफारमेंस वाले अफसरों को मौका दे सकते हैं। इसको लेकर कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं यही नहीं इस पद के लिये कुछ प्रेशर भी हाई लेवल के आ सकते हैं जिसे मुखिया को ही झेलना है। रही बात भोपाल यूनिट की तो यहां से जीएम हेड पीके उपाध्याय का तो लगभग ईडी बनना तय ही माना जा रहा है वहीं सीनियर महाप्रबंधकगण रूपेश तैलंग,विपुल अग्रवाल,विकास खरे और जीपी बघेल भी इस इंटरव्यू में शामिल होंगे। विपुल अग्रवाल जल्द ही रिटायर होने वाले हैं इसलिये उनका ईडी बनने का कोई मतलब नहीं। रही बात अन्य तीनों अफसरों की तो वह भी काम में किसी से कम दिखाई नहीं देते हैं। जानकारों की माने तो श्री तैलंग को ईडी बनाया जाता है तो उन्हें बंगलुरू या त्रिची यूनिट भेजा जा सकता है। यूं वह इस यूनिट से भी काफी लगाव रखते हैं। त्रिची और बंगलुरू के ईडी रिटायर होने वाले हैं। श्री बघेल भी इस पद की रेस में दिखाई दे रहे हैं यदि वह बनते हैं तो कॉरपोरेट क्वालिटी भेजे जा सकते हैं। यहां पद रिक्त भी हैं। खरे भी अपने आप में किसी से कम दिखाई नहीं दे रहे हैं। इन तीनों का रिटायरमेंट वर्ष 2027 में है। कंपनी की अन्य यूनिटों में भी दावेदारों की संख्या कम दिखाई नहीं दे रही है। ईडी बनने वालों की संख्या भले ही कम हो लेकिन नवीन कोल,रंजन कुमार,अभिषेक, यतिन्द्र मोहन,नवीन कौल,वीवी सुब्रमणियम,आरएफ सिद्दीकी,डीसी गुप्ता,अजमल चौधरी,एच मालती,श्यामला वेंकटरमन,बेबीलोनी,गौवरी शंकर ,सुनील कुमार,हरीश कुमार दुबे,पीएस गणेश और पीएस घोष के नाम भी प्रमुखता से लिये जा रहे हैं।

ईवी पर कंपनियों ने शुरू की बंपर छूट, 63 फीसदी बढ़कर 14700 पहुंच गई नवंबर में वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। ईवी बाजार में बिक्री बढ़ाने की दौड़ में ऑटो कंपनियों ने बंपर छूटों का पिटारा खोल दिया है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच दोबारा लोगों के बजट तक लौट सके। नवंबर में ईवी बिक्री 63 फीसदी उछलकर 14,700 के आंकड़े पर पहुंच गई, जो बाजार की उम्मीदों को फिर से जगाती है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियों ने बड़ी छूट की शुरुआत की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ह्युंडई और किआ सुस्त मांग को बढ़ावा देने के लिए रिकॉर्ड छूट की घोषणा की हैं। 22 सितंबर से पेट्रोल और डीजल कारों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद ऐसे पर्यावरण अनुकूल वाहनों की बिक्री में गिरावट आई है। यह कदम पेट्रोल और डीजल कारों पर जीएसटी में कटौती के बाद कंपनियों ने उठाया है, जिससे कीमतों में अंतर बढ़ गया है और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री कम हो गई है। प्रमुख वाहन निर्माताओं ने सुस्त मांग से निपटने और मौजूदा स्टॉक को नए साल के पहले खाली करने के लिए ईवी पर साल के अंत में रिकॉर्ड छूट की पेशकश शुरू कर दी हैं।ये कटौती सीमित समय के लिए साल के अंत में की जा रही हैं। इनका उद्देश्य इलेक्ट्रिक सेगमेंट में बाजार की गतिविधियों में सुधार लाना है। इससे बदलाव आ रहा है। इस साल नवंबर में ईवी की पहुंच घटकर 3.7% रह गई। जीएसटी में बदलाव से पहले 5 फीसदी थी। कुल वाहनों का पंजीकरण नवंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 3.94 लाख के पार रहा। हालांकि, लग्जरी ईवी बाजार कम छूट के साथ स्थिर बना हुआ है।

तनिष्क ज्वेलर्स द्वारा दिव्यांग छात्रों को गर्म कपड़ों का वितरण

दिव्यांग छात्रावास चंदनगांव में तनिष्क ग्रुप ने सामाजिक सरोकार का दिया संदेश

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश। तनिष्क ज्वेलर्स छिंदवाड़ा टीम ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए दिव्यांग छात्रावास चंदनगांव के 50 विद्यार्थियों को गर्म कपड़े (इनर) भेंट किए। तनिष्क ज्वेलर्स छिंदवाड़ा के संस्थापक राजेश पाटोदी ने कक्षा पहली से आठवीं तक अध्ययनरत बच्चों को उपहार स्वरूप गर्म कपड़े वितरित किए।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा केंद्र के एपीसी (आई.ई.डी.) गजेन्द्र ठाकुर तथा अरविंद भट्ट, बी.ए.सी.,जनपद शिक्षा केंद्र मोहखेड़, विशेष रूप से उपस्थित रहे। उपहार वितरण कार्यक्रम में तनिष्क ज्वेलर्स छिंदवाड़ा के प्रबंधक अर्जुन साहू, अनिल विश्वकर्मा, एवं दीपक लाउतकर ने भी भाग लिया। सभी अतिथियों ने दिव्यांग विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व भी तनिष्क ज्वेलर्स द्वारा छात्रावास को बच्चों के उपयोग हेतु वॉशिंग मशीन उपलब्ध कराई गई थी। एपीसी गजेन्द्र ठाकुर ने तनिष्क ज्वेलर्स छिंदवाड़ा ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त किया

घरों की कीमतें दो वर्षों में छह फीसदी की दर से बढ़ेंगी, लग्जरी क्षेत्र होगा ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में घरों की कीमतों में अगले दो वर्षों में आठ फीसदी तक बढ़ जाएंगे। जबकि देश भर में ये दर करीब छह फीसदी का रहने वाला है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि लग्जरी सेगमेंट पांच साल में बाजार की मुख्य शक्ति बनना बंद कर देगा। यह सेगमेंट अपने चरम पर है और यह नीचे जाएगा। मकानों की कीमतें दो वर्षों में 6 फीसदी की दर से बढ़ेंगी। लेकिन वर्तमान में बाजार को गति देने वाले लग्जरी क्षेत्र में तेजी पांच वर्षों में समाप्त हो जाएगी। घरों की औसत कीमतें पिछले दशक में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ी हैं। पिछली तिमाही की तुलना में थोड़ी कमजोर रही।

क्या है अर्थशास्त्रियों की राय?

सर्वे के मुताबिक, ये पूर्वानुमान भारत में 8.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि की पृष्ठभूमि में आए हैं, जिसने अधिकांश समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस तेजी का लाभ असमान रूप से उच्च आय वालों को मिला है, जिससे देश में असमानता बढ़ रही है। विशेषज्ञ इस बात को लेकर संशय में हैं कि लग्जरी सेगमेंट कब तक गतिविधियों को संचालित करेगा। लग्जरी सेगमेंट पांच साल में बाजार की मुख्य शक्ति बनना बंद कर देगा। यह सेगमेंट अपने चरम पर है और यह नीचे जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में आठ फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मकानों की कीमतें इस साल 7%-8% और अगले साल 7 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। मुंबई के लिए औसत वृद्धि 5 फीसदी है। बंगलूरू में सात फीसदी तेजी का अनुमान है। भारत में सस्ते घरों की लगभग 1 करोड़ कमी है। यह अंतर 2030 तक तीन गुना होने का अनुमान है। किफायती और मध्यम श्रेणी के घरों में नए लॉन्च नहीं हो रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर लगा प्रतिबंध, अब इस उम्र के बच्चे अब नहीं कर पाएंगे इस्तेमाल

कैनबर, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। बच्चे अब फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं कर पाएंगे। सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर कंपनियां सरकार के आदेश का पालन नहीं करती हैं तो उनपर 49.5 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां बुधवार 10 दिसंबर से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर दिया गया। ऐसे में अब फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, यूट्यूब, एक्स, स्नैपचैट, थ्रेड्स, रेडिट, ट्विच और किक जैसी कंपनियों को बच्चों के लिए अपनी सामग्री ब्लॉक करनी होगी। यदि ये कंपनियां नियम का पालन नहीं करती हैं, तो उन्हें 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया सरकार के इस फैसले के बाद प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने एक वीडियो संदेश भी जारी किया, जिसमें अल्बनीज में इस फैसले को परिवारों की ताकत की वापसी बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम बच्चों को सिर्फ अपनी बचपन जीने का अधिकार देगा और माता-पिता को अधिक मानसिक शांति प्रदान करेगा। अल्बनीज ने यह भी कहा कि दुनिया ऑस्ट्रेलिया को देख रही है और अगर ऑस्ट्रेलिया कर सकता है तो अन्य देश क्यों नहीं।

बच्चों और माता-पिता की मिश्रित प्रतिक्रियाएं

हालांकि सरकार के इस फैसले को लेकर ऑस्ट्रेलिया में बच्चों और माता-पिता की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ बच्चों ने कहा कि वे अब सोशल मीडिया तक नहीं पहुंच पाएंगे, तो कुछ ने चेहरे पर नकली दाढ़ी आदि दिखाकर प्लेटफॉर्म की उम्र पहचान तकनीक को चकमा देने की कोशिश की। वहीं माता-पिता और बड़े भाई-बहन भी कुछ बच्चों को प्रतिबंध से बचाने में मदद कर सकते हैं। ईसेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने बताया कि सोशल मीडिया कंपनियों के पास पहले से ही उपयोगकर्ताओं की उम्र और व्यक्तिगत डेटा मौजूद है, जिससे उम्र का पता लगाना संभव है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को 10 कंपनियों को नोटिस भेजा जाएगा कि वे उम्र प्रतिबंध कैसे लागू कर रही हैं और कितने अकाउंट बंद किए गए। क्रिसमस तक सरकार बताएगी कि यह नियम कितनी प्रभावी है।

कंपनियों को कानून से सहमत होना जरूरी- संचार मंत्री

इसके साथ ही संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि कंपनियों को कानून से सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन सभी ने ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि टिकटॉक के 2 लाख से ज्यादा अकाउंट पहले ही बंद कर दिए गए हैं। वेल्स ने चेतावनी दी कि जो बच्चे अभी नियम से बच रहे हैं, उन्हें भी अंततः पकड़ा जाएगा। उदाहरण के लिए, कोई बच्चा वीपीएन का उपयोग करके खुद को नॉर्वे दिखाए, लेकिन यदि वह नियमित रूप से ऑस्ट्रेलियाई बीच या स्कूल गतिविधियों की तस्वीरें पोस्ट करेगा तो पकड़ में आ जाएगा।

खजुराहो की बैठक में बुंदेलखण्ड को दिया विशेष पैकेज : डॉ. मोहन यादव

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा में कहा कि हमने खजुराहो की बैठक में बुन्देलखण्ड को विशेष पैकेज दिया है जिसके दूरगामी परिणाम निकलेगें। प्रदेश में नक्सली समस्या लगभग समाप्त हो गई है,

पिछले दिनों 10 दुर्दान्त नक्सली मारे गये है जिससे नक्सलियों ने आत्म सम्पर्ण किया है जो विशेष उपलब्धी है। मुख्यमंत्री एक आर्शीवाद समारोह में आये थे, वे पत्रकारों से हवाई पट्टी पर चर्चा कर रहे थे उनके साथ जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल आये थे। जिला कलेक्टर हरेन्द्र नारायण ने उनका हवाई पट्टी पर स्वागत किया, इसके अलावा भाजपा के पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह, पूर्व मंत्री नाना मोहोड़, जिला महामंत्री कमलेश उईके, विजय पांडे, धर्मेन्द्र मिगलानी, अजय सक्सेना, पं. रमेश दुबे, महापौर विक्रम अहाके, योगेन्द राणा, पांढुर्ना जिला अध्यक्ष संदीप मोहोड़, भाजपा नेता संदीप रघुवंशी एवं अन्य नेताओं ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने छतरपुर जिले में लगभग 510 करोड़ 65 लाख रुपए के 29 विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया

छतरपुर , सांध्य प्रकाश। लोकार्पित कार्यों में विकासखंड बडामलहरा में ग?ीसेमरा तालाब लागत लगभग 552.42 लाख रुपए, जरा तालाब विना नहर लगभग 391.01 लाख रुपए, विकासखंड लवकुशनगर में उप स्वास्थ्य केन्द्र माधोपुर, पटना, पीरा की लागत लगभग 65-65 लाख रुपए, विकासखंड राजनगर में उपस्वास्थ्य केन्द्र पहरा लागत लगभग 71.16 लाख रुपए, विकासखंड बडामलहरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रानीताल लागत लगभग 295.45 लाख रुपए, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घुवारा लागत लगभग 964.7 लाख रुपए, विकासखंड बक्सवाहा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बम्होरी लागत लगभग 164.93 लाख रुपए एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र जुझारपुरा लागत लगभग 49.14 लाख रुपए और शासकीय संदीपनि बालक मॉडल उ.मा. विद्यालय निर्माण लागत लगभग 3478 लाख रुपए, विकासखंड नौगांव में 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल लागत लगभग 1134.86 लाख रुपए एवं बीपीएचयू भवन निर्माण कार्य लागत लगभग 50 लाख रुपए और सी.एच.सी निर्माण लागत लगभग 1135 लाख रुपए, विकासखंड छतरपुर में जिला चिकित्सालय में आईपीएचएल लैब निर्माण लागत लगभग 94.1 लाख रुपए, शासकीय संदीपनि

मॉडल उ.मा. विद्यालय लागत लगभग 4478 लाख रुपए, सीसीएचबी छतरपुर निर्माण लागत लगभग 3055 लाख रुपए, जिला चिकित्सालय छतरपुर में ईसीआरपी-2 योजना अंतर्गत 100 बिस्तरीय वार्ड का निर्माण कार्य लागत लगभग 750 लाख रुपए, विकासखंड बिजावर में शासकीय संदीपनि बालक उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय बिजावर लागत लगभग 3320 लाख रुपए, विकासखंड राजनगर में शासकीय संदीपनि मॉडल उ.मा. विद्यालय लागत लगभग 3832 लाख रुपए के कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले के विकासखण्ड गौरिहार एवं लवकुशनगर अंतर्गत बछौन-चंदला-सरबई-गौरिहार-चन्द्रपुरा (यूपी बॉर्डर) मार्ग का उन्नयनीकरण कार्य लगभग 19161 लाख रुपए, विकासखण्ड नौगांव में गा?ी खाना में शॉपिंग कॉम्पलेक्स लागत लगभग 160.9 लाख, जनपद पंचायत भवन निर्माण लवकुशनगर लागत लगभग 525.67 लाख, लवकुशनगर बाईपास मार्ग का निर्माण कार्य लागत लगभग 5447.45 लाख, गौरिहार अंतर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र मझपटिया, कीरतपुर पडरखा, बक्सवाहा अंतर्गत दरगुवां और बिजावर अंतर्गत रतनपुर उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण लागत लगभग 65-65 लाख रुपए और लगभग 1500 लाख रुपए की लागत से निर्मित शासकीय महाविद्यालय घुवारा का भूमिपूजन भी किया।

महाविद्यालय द्वारा चलाया गया कॉलेज चलो अभियान

सिरोंज, सांध्य प्रकाश। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय द्वारा कॉलेज चलो अभियान' चलाया गया। अभियान के अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक मॉडल विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति रुचि जागृत करने हेतु नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की जानकारी दी गई। कॉलेज चलो अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें आगे प?ाई के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी डॉक्टर शिव कुमार यादव , एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी प्रो महेश चंद्र परमार, छात्रवृत्ति एवं स्पोर्ट प्रभारी डॉ समृथ निनामा ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश लेने की जानकारी, प्रवेश फॉर्म भरने, किस प्रकार विषय चुने,स्कॉलरशिप, शासन की लाभकारी योजनाओं, ई-ग्रंथालय की सुविधा तथा महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को महाविद्यालय का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित भी किया गया जिससे वे महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, संसाधनों और उपलब्ध अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से देख और समझ सकें। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री जितेंद्र बघेल एवं अन्य शिक्षकगण एवं ब?ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष पर इटारसी में होगा मेगा आयोजन

मिनी गांधी स्टेडियम में 14 से 21 दिसंबर तक अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता, 60 वर्षों से निरंतर परंपरा

इटारसी, सांध्य प्रकाश। भारतीय हॉकी के 100 गौरवशाली वर्षों की पूर्णता पर एक बार फिर राष्ट्रीय खेल जगत का केंद्र बनने जा रहा है। नगर पालिका परिषद और शहर व आसपास के हॉकी खिलाड़ियों के संयुक्त प्रयासों से 14 दिसंबर से 21 दिसंबर तक मिनी गांधी स्टेडियम में अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन न केवल भारतीय हॉकी की शताब्दी का सम्मान है, बल्कि इटारसी की लगभग 60 वर्ष पुरानी हॉकी परंपरा का गर्वपूर्ण पुनरुत्थान भी है।

नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे और प्रतियोगिता समिति ने पत्रकारवार्ता में टूर्नामेंट की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता को और व्यापक स्वरूप दिया गया है। भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए पुरस्कार ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब तक दो पुरस्कार दिए जाते थे, लेकिन इस वर्ष तीन पुरस्कार रखे गए हैं, जबकि प्रथम पुरस्कार राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया गया है। यह परिवर्तन प्रतियोगिता की प्रतिष्ठा और खिलाड़ियों में उत्साह को और बढ़ाएगा।

पत्रकारवार्ता के दौरान उपस्थित समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिहानी ने अपने पिता स्वर्गीय किशन चंद में मिहानी की स्मृति में एक लाख एक हजार रुपये का विशेष योगदान घोषित किया। प्रारंभिक भ्रम की स्थिति को स्पष्ट करते हुए अनिल मिहानी ने स्वयं जानकारी साझा की और राशि को 1 लाख 1 हजार ही रखने की पुष्टि की। आयोजन समिति ने मिहानी परिवार के इस सहयोग को प्रतियोगिता के लिए अत्यंत सम्मानजनक और प्रेरणादायक बताया।

अध्यक्ष पंकज चोरे ने बताया कि इस वर्ष टूर्नामेंट का कुल बजट लगभग 16 लाख रुपए का अनुमानित खर्च बताया, उन्होंने कहा इसमें नगर पालिका परिषद द्वारा 9 लाख रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि शेष राशि समाजसेवियों और खेलप्रेमियों के सहयोग से प्राप्त होगी। चोरे ने कहा कि बच्चों की परीक्षा तिथियों को देखते हुए प्रतियोगिता इस बार दिसंबर माह में आयोजित की जा रही है और भविष्य में भी इसे दिसंबर माह में ही आयोजित कराया जाएगा, ताकि सहभागिता और सुविधा दोनों बनी रहें।

इस बार देशभर से 20 प्रतिष्ठित हॉकी टीमें इटारसी पहुंचेंगी। इनके साथ स्थानीय इटारसी टीम भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। बिलासपुर, पुणे, लखनऊ, सिकंदराबाद, जालंधर, बैंगलुरु, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, सिवनी, हरदा, बैतूल और दमोह जैसी हॉकी परंपरा वाले शहरों की टीमें यहां अपनी ताकत आजमाने उतरेंगी। वरिष्ठ खिलाड़ी एस.सी. लाल ने बताया कि वे पिछले 60 वर्षों से इस टूर्नामेंट को होते हुए देख रहे हैं और यह इटारसी की गौरवशाली पहचान है। जहां प्रदेश की कई बड़े स्तर की प्रतियोगिताएं बंद हो चुकी हैं, वहीं इटारसी की यह परंपरा लगातार जीवित है और अब राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होकर उभर रही है।

इटारसी-चांदौन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारतीय टीम के प्रमुख मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद के जिक्र के बिना आयोजन अधूरा माना जाता है। आयोजकों ने उनकी उपलब्धि बताते हुए प्रेरणा का स्रोत कहा कि विवेक की चमक ने पूरे क्षेत्र के युवाओं में हॉकी के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह भरा है, और यह टूर्नामेंट इसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा।

प्रतियोगिता के फाइनल मैच में प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग की उपस्थिति की स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे आयोजन के महत्व में और इजाफा होगा। इस दौरान पत्रकारवार्ता में पंकज चोरे, राहुल चोरे, एस.सी. लाल, दीपसिंह ठाकुर, निर्मल सिंह राजपूत, सर्वप्रीत सिंह भाटिया, जयराज सिंह भानू, रविन्द्र सिंह जोशी, शेख नियाज, गिडियन अल्फ्रेड, अमित श्रीवास, गोलू भाटिया, बिट्टू बोहरा सहित अनेक खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन जयकिशोर चौधरी ने किया और आभार शैलेन्द्र दुबे ने व्यक्त किया।

लगभग सात वर्षों से अथक प्रयास कर रहे मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी को मिली बड़ी सौगात

दमोह मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री एवं जबेरा विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी लगभग सात वर्षों से अथक प्रयास कर रहे झापान नाला जलाशय जो पुछी तालाब के नाम भी जाना जाता है जिसके निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग को माननीय मुख्यमंत्री जी से विशेष निवेदन करने पर आखिरकार कैबिनेट की बैठक खजुराहो में मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल ने स्वीकृति प्रदान की है।

दमोह जिले की जबेरा विधानसभा को सौगात मिलते ही क्षेत्रवासियों के द्वारा सोशल मीडिया पर मंत्री का आभार व्यक्त किया जा रहा है।

मंत्री लोधी ने कहा कि

इस परियोजना के बनने से लगभग 3600 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और विधानसभा क्षेत्र के 17 ग्रामों के लगभग 13000 किसान लाभ लाभान्वित होंगे इसका निर्माण कार्य 165.06 करोड़ रुपए की लागत से किया जायेगा। मैं गौरवशाली हूं कि इस बहुप्रतीक्षित मांग को मेरे कार्यकाल में मुझे पूर्ण करने का अवसर प्रदान हुआ है। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट जी और मंत्रिमंडल के समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं। निश्चित ही इसके निर्माण से क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर बदलने वाली है

विद्या भूमि बना इंटर ब्लॉक क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूनिक परासिया क्लब ने 18.3 ओवर में 10 विकेट पर 132 रन बनाए।जिसमे 30 रन हरप्रीत सिंग व 26 रन शेख शब्बीर ने बनाये। विद्या भूमि छिंदवाड़ा के

गेंदबाज फ़ैज़ खान ने 4 व विक्रम ठाकुर ने 2 विकेट लिए। 133 रनों के लक्ष्य को विद्या भूमि छिंदवाड़ा ने 13.3 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। विद्या भूमि छिंदवाड़ा के बल्लेबाज सेजल भादे ने सर्वाधिक 50 रन नाबाद व 36 रन नाबाद एरिक चौहान ने बनाये मैच 8 विकेट से विद्या भूमि क्लब छिंदवाड़ा ने जीतकर डीसीए इंटर ब्लॉक विजेता का खिताब अपने नाम किया । मैच में अंपायर पवन गवाने व शुभम मंडराह रहे स्कोरर डीके रॉय चौधरी व मोहित श्रीवास रहे। कमेंट्रेटर श्रांत चंदेल रहे।मैच के बाद पुरुस्कार में मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डीडीसी मिस्टर ब्राउन, अध्यक्ष जेपी सिंह , सचिव आशीष त्रिपाठी, आरके बेग ,आनंद बक्शी, मनीष पांडे,छगन दवे, रिंकू नैयर, सचिन वानखेड़े प्रणय नामदेव, आशीष चौधरी, रूपल बाकलीवाल, अनिकेत त्रिपाठी, अभिषेक ठाकुर, उपस्थित रहे।

शूटिंग में स्टेट व नेशनल स्तर पर

शानदार उपलब्धि - खिलाड़ियों ने किया जिले का नाम रोशन

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश - अर्जुन शूटिंग एकेडमी के सचिव रामकृष्ण बरकोरिया ने जानकारी दी कि विगत् दिनों भोपाल में आयोजित एस.जी.एफ.आई. स्कूल स्टेट लेबल शूटिंग काम्पीटीशन में अर्जुन एकेडमी के खिला?ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुये कई पदक अपने नाम किये । त्रियाक्षा खरपूसे दो गोल्ड मेडल, राजवीर रजक गोल्ड मेडल, शायल राजपूत गोल्ड मेडल, हर्षी टाण्डेकर सिल्वर मेडल, पार्थ वर्मा ने ब्रान्च मेडल अर्जित किया । इन सभी खिला?ियों ने राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला व अर्जुन शूटिंग एकेडमी का नाम रोशन किया है ।

साथ ही ओपन इंडिया शूटिंग काम्पीटीशन मध्यप्रदेश शूटिंग एकेडमी भोपाल में नेशनल रायफल एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित ऑल इंडिया शूटिंग प्रतियोगिता में भी एकेडमी के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें महिला पिस्टल वर्ग से वैष्णवी यादव, साक्षी बरकोरिया, वेदैही भोयरकर, मेन पिस्टल वर्ग से आदित्य पतिंगे, रूपेश भादे, विशाल पवार, रेषभ बाबरिया, पार्थ वर्मा ने भाग लिया । अर्जुन शूटिंग एकेडमी के अध्यक्ष प्रणय बोण्डे ने सभी खिला?ियों के उनके शानदार प्रदर्शन और नेशनल के लिये क्लालीफाई करने पर शुभकामनाऐें दी और भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन की आशा जताई

मानस सम्मेलन भव्य और ऐतिहासिक रूप से आयोजित होगा

आष्टा, सांध्य प्रकाश। दिनांक 22 से 26 दिसंबर तक मानस भवन के विशाल प्रांगण में श्री मानस सम्मेलन आयोजित करने हेतु संपूर्ण समिति पूर्ण मनोयोग से जुटी हुई है आज समिति ने मानस सम्मेलन समिति के पूर्व अध्यक्ष संयोजक प्रभु प्रेमी संघ पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार से भेंट कर आवश्यक मंत्रणा की, समिति के अध्यक्ष भूरू मुकाती ने बताया कि कादम गिरी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य जी, संत दीपक दास जी, संत डॉ मदन गोपाल दासधिकारी, बाल संत प्रियांशु जी महाराज प्रतिदिन दिन में 1 बजे से पांच बजे तक प्रवचन की अमृत वर्षा करेंगे, पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने कहा कि संतो के चरणों की रज से हमारा आष्टा और अधिक पल्लवित पुष्पित होगा साथ ही प्रवचनों की अमृत वर्षा से आम जन को धर्म लाभ मिलेगा मंत्रणा बैठक में समिति अध्यक्ष भूरू मुकाती, संरक्षक बी एस वर्मा एडवोकेट, समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी अनूप जैन कचरू, मनोहर भोजवानी, कमल ताम्रकार, शिक्षा विद भोलू सिंह ठाकुर, तेज सिंह पाटीदार, पूर्व पार्षद सुभाष नामदेव उपस्थित रहे, पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने समिति के पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत कर समिति के निमंत्रण को सिर माथे पर लगा कर पद अधिकारियों का विनम्र आभार व्यक्त किया।

नक्सलवाद के सफ़ाये में बड़ी सफलता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष 10 नक्सलवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बालाघाट। प्रदेश में नक्सलवाद उन्मूलन अभियान को बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 10 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें 4 महिला नक्सलवादी भी शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने पुलिस को भारी मात्रा में हथियार सौंपे, जिनमें–

एके 47 = 2
INSAS : 2
SLR : 1
SSR : 2
BGL सेल : 7
वॉकी-टॉकी = 4

सरकार का कहना है कि यह कदम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

महिला सुरक्षा एवं बेटियो को बचाने के लिए किया जागरूक छात्राओं को

महिला सशक्तिकरण केंद्र के माध्यम से पीड़ित महिलाओं को दी जायेगी सुरक्षा

छिंदवाडा, सांध्य प्रकाश। समाज मे आज भी बेटी की अपेक्षा बैटा की प्राथमिकता पर बल दिया जा रहा हे परिवार मे बेटी का जन्म ना हो इस हेतू प्रसव केंद्रों मे अल्ट्रा सोनो ग्राफी मशीन के माध्यम से गर्भ मे लिंग निर्धारित की सहज उपलब्धता इस समस्या को ओर भी बढ़ावा दिया हे ।गर्भवती महिला के भ्रूण की जांच के दोरान बेटी के होने पर भ्रूणहत्या कर जघन्य अपराध कर रहे हे । बेटी का जीवन मे कितना महत्व हे इस विषय की जानकारी देने , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश कुमार शिवहरे के निर्देशन मे एवं परियोजना अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जन जागरूकता कार्यक्रम कन्या शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल चोरई मे प्राचार्य , एम के अवस्थी की उपस्थिति मे किया गया । इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर श्यामल राव ने छात्रो को सम्बोधित करते हुए बताया की इस हब के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से महिलाओं के साथ हो रही घरेलू हिंसा से पी?ित महिलाओं, शासन से मिलने वाली योजनाओं , सुविधाओं, ओर सरकारी मदद के बारे मे जानकारी देकर सहायता करना, एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है । वही बेटीयो के लिंगानुपात के अंतर मे कमी आये जिसके लिए बेटीयो को बचाने किशोरियों को प्रशिक्षण देकर

सशक्त करने का कार्य किया जा रहा हे । छात्रो को विवाह उपरांत जीवन जीने का अधिकार का उपयोग कर स्वंय की सुरक्षा के साथ जन्मे बेटी का जीवन सुरक्षित कर सके जिससे की जिले के लिंगानुपात मे कमी लाई जा सके,। बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के अंतर्गत शासन द्वारा लाडली लक्ष्मी योजना संचालित कर लाडलियो को सशक्त किया जा रहा हे ताकी ल?लियो को परिवार बोझ ना समझे , बच्चों के साथ हो रहे शोषण रोकने के लिये पाक्सो एक्ट, ओर महिला सुरक्षा कानून का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने की पहल छात्र करे,बेटी बचाओ ,बेटी प?ाओ अभियान के तहत सभी के माता पिता बेटियो के जन्म पर हर्ष मनाये, बेटियो को भेदभाव रहित व्यवहार के साथ पोषित करना ओर उन्हें विकास व शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराने अपनी ओर से पहल करे,क्योंकि बेटी होती हे जगत जननी इनकी सुरक्षा हेतु विशेष पहल होनी चाहिए। , आयोजित प्रशिक्षण को सफल बनाने मे, सामाजिक कार्यकर्ता अर्पित रघुवंशी,शिक्षक वंदना दुबे,वंदना भारद्वाज, रोशनी मिश्रा, प्रीति वर्मा, रचना बघेल, आर जी बटके, एम आर जम्होरे, एस के सोनी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग से शैलेंद्र शुक्ला, का सहयोग रहा।

जिला जेल में महिला बंदिनियों को ठंड से बचाने स्वेटर व मोज़े वितरित

सीहोर। बढ़ती ठंड को देखते हुए बैथल फॉर रिफ्यूज वेलफेयर सोसायटी द्वारा जिला जेल सीहोर में निरुद्ध महिला बंदिनियों और उनके बच्चों को स्वेटर, गरम कपड़े व मोज़े वितरित किए गए। कार्यक्रम में एनजीओ डायरेक्टर बूसी रॉबी, रॉबी मैथ्यू, जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल, उप अधीक्षक अक्षय कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य प्रहरी मुकीम खान, प्रहरी अजहर, विकास सनोडिया और श्रीमती सविता गौतम सहित जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

नए साल में लग सकता है बिजली का झटका

मप्र पावर जनरेशन कंपनी ने 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का रखा प्रस्ताव

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश में नए साल की शुरुआत बिजली उपभोक्ताओं को बिजली का करंट लग सकता है। राज्य की पावर जनरेशन कंपनी ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के समक्ष बिजली दरों में 10 प्रतिशत तक इजाफे का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। आयोग इस प्रस्ताव पर सुझाव और आपत्तियां लेने के लिए जन सुनवाई आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। नियामक आयोग जन सुनवाई के दौरान आम जनता और हितधारकों की आपत्तियाँ सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय देगा। फिलहाल प्रस्ताव ने उपभोक्ताओं में नए साल के बिलों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

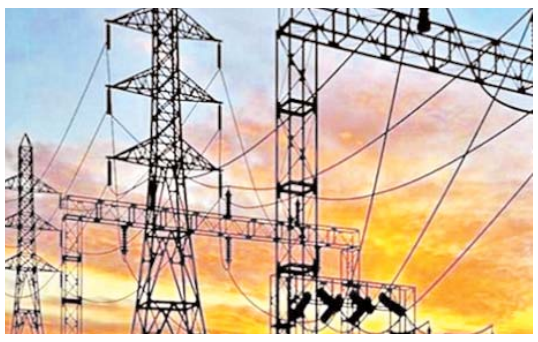

कंपनी ने बढ़ोतरी को बताया अनिवार्य

नियामक आयोग मुख्यालय में दायर याचिका में कंपनी ने दावा किया कि लगातार बढ़ रहे लाइन लॉस और वित्तीय दबाव के कारण दरों में संशोधन आवश्यक हो गया है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्तावित बढ़ोतरी की सीमा 10 प्रतिशत तक हो सकती है, हालांकि अंतिम निर्णय जन सुनवाई के बाद ही होगा।

15 दिसंबर से हो सकती है सुनवाई

आयोग के सूत्रों का कहना है कि कंपनी के प्रस्ताव पर प्रारंभिक अध्ययन के बाद आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। पहली सुनवाई 15 दिसंबर को होने की संभावना है, हालांकि आयोग की ओर से इसका औपचारिक कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

आठ महीने पहले ही बढ़े थे बिजली के दाम

इस साल अप्रैल से ही उपभोक्ता पहले से बढ़े हुए टैरिफ का भुगतान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में कंपनियों ने 7.52 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आयोग ने केवल 3.46 प्रतिशत वृद्धि की मंजूरी दी थी। यही कारण है कि घरेलू, गैर-घरेलू और कृषि श्रेणियों में प्रति यूनिट दरें कुछ पैसों की वृद्धि के साथ लागू हुईं और फिक्स चार्ज भी बढ़ाए गए।

मप्र मंडी बोर्ड के अनुसार आज दिनांक 10.12.2025 का सोयाबीन का भावांतर मोडल भाव रू 4210 प्रति क्विंटल है।

भोपाल जिला शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित खत्री की अगुवाई में आज सुबह 7.15 बजे मंत्री प्रतिमा बागरे के इस्तीफे की माँग को लेकर उनकी नेमप्लेट पर कालिख पोती। इस अवसर पर मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के महामंत्री प्रिंस नवांगे, अनीस शर्मा, मोहन रुडेले आदि मौजूद थे।

भरेवा शिल्प को मिली राष्ट्रीय उड़ान

राष्ट्रपति ने बैतूल के कारीगर बलदेव वाघमारे को दिया राष्ट्रीय सम्मान

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश की समृद्ध जनजातीय कला परंपरा ने एक बार फिर देश में अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। पारंपरिक भरेवा धातु शिल्प कला को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने के साथ ही बैतूल जिले के प्रसिद्ध भरेवा शिल्पकार बलदेव वाघमारे को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया। हाल ही में भरेवा शिल्प को जीआई टैग भी प्राप्त हुआ है, जिससे इसकी सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता और बढ़ गई है। सम्मान समारोह में केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह भी उपस्थित थे। स्थानीय बोली में भरेवा का अर्थ है-भरने वाला। यह कला गोंड जनजाति की उप-जाति द्वारा पीढ़ियों से संजोई गई धातु ढलाई की विशिष्ट तकनीक पर आधारित है। यह केवल शिल्प नहीं, बल्कि गोंड समुदाय के रीति-रिवाजों, देवी-देवताओं की आस्थाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को मूर्त रूप देने वाली विरासत है। भरेवा कारीगर शिव-पार्वती, ठाकुर देव तथा अन्य ग्रामीण देवताओं की प्रतीकात्मक मूर्तियां बनाते हैं। साथ ही वे अंगूठियां, कटार, कलाईबंद, बाजूबंद जैसे पारंपरिक आभूषण भी तैयार करते हैं, जिनका विशेष महत्व विवाह और धार्मिक अनुष्ठानों में होता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चमकता हुनर

भरेवा कला केवल धार्मिक प्रतीकों तक सीमित नहीं है। इसके अंतर्गत बनने वाली बैलगाड़ियां, मोर-आकृति वाले दीपक, घंटियां, घुंघरू, दर्पण फ्रेम जैसी सजावटी और उपयोगी वस्तुएं अंतरराष्ट्रीय शिल्प बाजार में भी अपनी मजबूत पहचान बना चुकी हैं।

टिगरिया गांव बना शिल्प ग्राम

भरेवा समुदाय मुख्यतः बैतूल जिले के कुछ हिस्सों में केंद्रित है, जो भोपाल से लगभग 180 किमी दूर है। इसी क्षेत्र के टिगरिया गांव में जन्मे और पले-बढ़े बलदेव वाघमारे ने न केवल इस परंपरा को जीवंत बनाए रखा, बल्कि घटती कारीगर संख्या में भी नई जान फूंक दी। उनकी मेहनत से टिगरिया आज शिल्प ग्राम के रूप में उभर रहा है, जहां कई भरेवा परिवार इस अनोखी कला को आगे बढ़ा रहे हैं। बलदेव ने यह कला अपने पिता से सीखी और अपनी प्रतिभा, अनुशासन और पारंपरिक समझ के बल पर राष्ट्रीय स्तर के मास्टर कारीगर के रूप में पहचान बनाई है। उनका परिवार आज भी इसी विरासत के सहारे जीवनयापन करता है। राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार और जीआई टैग मिलने से भरेवा कला को वह पहचान मिल गई है जिसकी वह लंबे समय से हकदार थी। यह सम्मान न सिर्फ बलदेव वाघमारे के लिए, बल्कि पूरे गोंड समुदाय और मध्यप्रदेश की शिल्प परंपरा के लिए गौरव का क्षण है।

भोपाल। प्रशासन अकादमी में मानव अधिकार दिवस कार्यक्रम ...

परम पावन दलाई लामा जी का 90 वां जन्मदिन एवं नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने की 36 वी वर्षगांठ मनाई गई

भोपाल। तिब्बती रिफ्यूजी स्वेटर सेलर्स एसोसिएशन व्दारा मानस भवन, भोपाल में परम पावन दलाई लामा जी का 90 वां जन्मदिन तथा उन्हें नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने की 36 वी वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर दि बुद्धिस्ट सोसाइटी आफ इंडिया के ट्रस्टी चेयरमैन डा.चंद्रबोधी पाटील, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आंबेडकर) के राष्ट्रीय महासचिव डा. मोहनलाल पाटील, तथा श्री मनोज मानिक ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तिब्बती रिफ्यूजी स्वेटर सेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री दोरजे जी ने की तथा श्री डोलमाजी, श्री लोबसंग, श्री केलशंग मेडम उपस्थित थे। इस अवसर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डा मोहनलाल पाटील ने पुज्य दलाई लामा जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि वर्तमान स्थिति में तथागत भगवान बुद्ध के समता , स्वातंर्त्य, बंधुत्व व न्याय पर आधारित शांति स्थापित करने विचारों को स्वीकार करने की अत्यंत आवश्यकता है। पुज्य दलाई लामा जी ने जीवन भर इन विचारों का प्रचार विश्व में किया है। डा चंद्रबोधी पाटील ने अपने उद्बोधन में तिब्बती लोगों का आश्वस्त किया कि हम हमेशा आपके सुख दुख में खड़े है और रहेंगे। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी आफ इंडिया वर्षों से आपके साथ है और साथ मिलकर कई धार्मिक आयोजन किये है। पुज्य दलाई लामा जी के 90 वे जन्मदिन पर केक काटा गया ?और उनकी दिर्घ आयु की कामना की गई। इस अवसर पर तिब्बती परिवार व्दारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई।

महापौर मालती राय ने वार्ड 26 नीलबड़ में प्रस्तावित विसर्जन घाट स्थल का निरीक्षण किया इस अवसर पर जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, मंडल अध्यक्ष हेमंत बड़गैंया, भाजपा नेता लीलेंद्र मरण, अपर आयुक्त तन्मय शर्मा, कार्यपालन यंत्री प्रमोद मालवीय, निगम अधिकारी गण एवं रहवासीगण उपस्थिति रहे।

जगदीशपुर नाम बदलने के प्रयास पर उबाल, हिंदू उत्सव समिति ने किया जोरदार विरोध

बोर्डों पर पुनः लगाया गया 'जगदीशपुर पर्यटन स्थल' का फ्लेक्स

भोपाल, सांध्यप्रकाश। हिंदुत्व समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि लांबाखेड़ा-जगदीशपुर मार्ग पर लगे कई संकेतक बोर्डों पर जगदीशपुर की जगह इस्लाम नगर लिखे जाने और मस्जिद के समीप स्थित किलोमीटर बोर्ड के क्षतिग्रस्त पाए जाने की घटना ने स्थानीय क्षेत्र में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। मंगलवार को बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी ने मौके पर पहुंचकर इस कृत्य के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। घटना स्थल पर पहुंचे हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष

चंद्रशेखर तिवारी, देवलखेड़ी सरपंच अजय सैनी, राजेश शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कहा कि ÷क्षेत्र के ऐतिहासिक और मूल नाम से छेड़छाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। यह केवल नाम बदलने का मुद्दा नहीं, बल्कि जनभावनाओं से खिलवाड़ है।

विरोध के बीच कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही बोर्ड पर 'जगदीशपुर पर्यटन स्थल' का नया फ्लेक्स लगाकर अपना रोष और स्पष्ट संदेश दर्ज किया। इधर स्थानीय प्रशासन ने आश्वस्त किया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। घटना के बाद से क्षेत्र में नाम बदलने की कोशिशों को लेकर गहमागहमी बनी हुई है, और स्थानीय लोग प्रशासन से त्वरित एवं ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हिंदी लेखिका संघ की कार्यशाला में विशेषज्ञों का मत

बाल साहित्य को सभी विधाओं में समृद्ध बनाने की जरूरत

भोपाल, सांध्यप्रकाश। हिंदी लेखिका संघ की मंगलवार को आयोजित बाल साहित्य कार्यशाला में देशभर से आए साहित्यकारों ने कहा कि आज बाल साहित्य को कहानी, कविता और नाटक से आगे बढ़ाकर सभी विधाओं में विकसित करने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदना, भाषा कौशल और बौद्धिक विकास को केन्द्र में रखकर नए और प्रासंगिक लेखन की आवश्यकता पर जोर दिया। दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में मंगलवार को आयोजित हिंदी लेखिका संघ की बाल साहित्य

कार्यशाला में साहित्य अकादमी (मध्यप्रदेश) के निदेशक और वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ. विकास दवे ने कहा कि हिंदी बाल साहित्य की परंपरा अत्यंत समृद्ध है, परंतु यह मुख्यतः कविता, कहानी और नाटक तक सीमित है। बाल मनोविज्ञान, विज्ञान-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण, जीवनी, हास्य-विनोद और अन्य विधाओं में भी रचनात्मक कार्य की आवश्यकता है।

बाल साहित्य एक बीज की तरह – उन्होंने कहा कि बाल साहित्यकार को अपनी कल्पनाओं की खिड़की पूरी तरह खोलनी चाहिए, और लेखन केवल सामान्य बच्चों तक सीमित न होकर मूक-बधिर व दिव्यांग बच्चों के लिए भी होना चाहिए। बाल साहित्य को आनंददायक बनाना सबसे महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा, संस्था अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बाल साहित्य एक बीज की तरह है, जिसे यदि बाल-मन की गीली मिट्टी में बोया जाए तो भविष्य एक सुंदर बगिया बनकर विकसित होता है। उन्होंने कहा कि बाल साहित्य बच्चे के व्यक्तित्व, भाषा, विचार और मनोवैज्ञानिक विकास की पहली पाठशाला है। इसलिए लेखिकाओं का दायित्व है कि वे बाल मन को सही दिशा देने वाला संवेदनशील, मूल्यनिष्ठ और आनंददायक साहित्य रचें।

कहानियाँ बच्चे को कल्पना लोक की यात्रा कराती – प्रथम सत्र में जबलपुर की बाल साहित्यकार डॉ. मंजरी शुक्ला ने कहा कि कहानियाँ बच्चे को कल्पना लोक की यात्रा कराती हैं, जहाँ परियाँ, जादूगर, बोलने वाले पशु-पक्षी और उड़ने वाले ड्रैगन उसकी संवेदनाओं को विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि बाल साहित्यकार को बच्चों के मानसिक स्तर तक उतरकर लिखना जरूरी है, क्योंकि बच्चा प्रेम और संवाद को बिना किसी पूर्वाग्रह के अपनाता है।

डल झील सा एहसास करा रहा बड़ा तालाब, पर्यटकों को कर रहा आकर्षित

शिकारा पर्यटन, 5 दिन में 3000 लोगों ने लिया आनंद

भोपाल, सांध्यप्रकाश। राजधानी भोपाल का बड़ा तालाब पर्यटन का केंद्र बन रहा है। नए रंग में रंगा पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। कश्मीर की डल झील की तर्ज पर शुरू किए गए शिकारा पर्यटन को शहरवासियों और बाहर से आने वाले सैलानियों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। शुरुआत के मात्र 5 दिन में 3000 से अधिक लोग शिकारा सहित अन्य बोटिंग सुविधाओं का आनंद ले चुके हैं, जिससे बड़ा तालाब एक बार फिर शहर की पहचान बनता दिख रहा है। 4 दिसंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुभारंभ किए गए 20 शिकारों ने पर्यटन गतिविधियों में नई ऊर्जा भर दी है। खास बात यह है कि भोपाल के अलावा अन्य शहरों से भी पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। लोग इसे शांत, सुरक्षित और सुकून भरा अनुभव बता रहे हैं।

रायपुर से शिकारा का आनंद लेने आई - रायपुर से आई पर्यटक सीमा मौर्य ने कहा कि उन्होंने शिकारा शुरू होने की खबर सुनी थी, इसलिए विशेष तौर पर इसका आनंद लेने आईं। आमतौर पर बोटिंग से डर लगने की बात कहते हुए उन्होंने बताया कि शिकारे में उन्हें बिल्कुल डर नहीं लगा और अनुभव बेहद शानदार रहा।

महीनों से मोटर बोट और क्रूज बंद- एनजीटी की रोक के चलते बड़े तालाब में पिछले करीब 10 महीनों से मोटर बोट और क्रूज बंद हैं। ऐसे में बिना शोर और प्रदूषण के चलने वाले शिकारे पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बनकर सामने आए हैं। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि तालाब की शांति और प्राकृतिक सुंदरता भी बनी हुई है।

प्रमुख लेक टूरिज्म डेस्टिनेशन में शामिल हो सकता है भोपााल- भोपाल नगर निगम द्वारा जून 2024 में किए गए ट्रायल के सकारात्मक नतीजों के बाद यह पहल शुरू की गई है। पर्यटन से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह सुविधाओं का विस्तार किया गया, तो बड़ा तालाब आने वाले दिनों में भोपाल को देश के प्रमुख लेक टूरिज्म डेस्टिनेशन में शामिल कर सकता है।